आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 311 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 30 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जेवर एयरपोर्ट पर आज और कल लैंडिंग-टेकऑफ का ट्रायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में बन रहे जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट)के शुभारंभ को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। नोएडा एयरपोर्ट पर DGCA आज और कल कैलिब्रेशन फ्लाइट का टेस्ट करेगा। एयर नेविगेशन और संचार प्रणालियों की जांच के लिए दो दिनों में पाँच विमानों की टेकऑफ और लैंडिंग होगी। सफल ट्रायल के बाद एयरड्रोम लाइसेंस मिलने की संभावना है। यह परीक्षण वाणिज्यिक उड़ानों की अनुमति से पहले की अंतिम प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 9 दिसंबर 2024 को भी ट्रायल किया गया था।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) गुरुवार और शुक्रवार को नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट का टेस्ट करेगा। इससे एयरपोर्ट शुरू होने से पहले एयर नेविगेशन और संचार प्रणालियों का परीक्षण हो सकेगा। बताया गया कि इन दो दिनों में 2-2 घंटे 5 उड़ानें टेकऑफ व लैंड करेंगी। इसके बाद एबरड्रोम लाइसेंस जारी होने की उम्मीद है।

डीजीसीए के विशेष विमान आज और कल दो घंटे कैलिब्रेशन अभ्यास करेंगे। यह किसी एयरपोर्ट को व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी देने से पहले पूरी की जाने वाली जांच का हिस्सा है।

हालात के मुताबिक ट्रायल कई दिन चल सकता है। एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि सफल परिणाम के बाद एयरपोर्ट ग्राउंड लाइसेंसिंग हासिल करने के करीब पहुंच जाएगा। इस परीक्षण में एयरपोर्ट संचालन की सारी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

9 दिसंबर, 2024 को नोएडा एयरपोर्ट पर ट्रायल हुआ था। वह पहली लैंडिंग और टेकऑफ थी। इस ट्रायल का उद्देश्य रनवे की तैयारी और हवाई क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को परखना था। इससे रनवे और संबंधित प्रणालियो की क्षमता का प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने नोएडा एयरपोर्ट को एनओसी दे दी थी।

कार की चपेट में आये मासूम बच्चे की मौत

चालक ने कार को रिवर्स करते समय बच्चे को कुचला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक कार चालक की लापरवाही के कारण दर्दनाक हादसा हुआ है। सेक्टर-31 में कार चालक की लापरवाही की वजह से एक 4 साल के मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। कार रिवर्स करते समय बच्चा कार के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। मासूम बच्चे की मौत के बाद परिवार सदमे में है।

नोएडा के सेक्टर-31 के ए ब्लॉक में जयंत शर्मा बुधवार की रात्रि को अपनी कार को बैक कर रहे थे। इस दौरान कार के पीछे से गुजर रहा एक (4 वर्षीय) बच्चा कार की चपेट में आ गया। कार के नीचे आने की वजह से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पड़ोस के लोगों ने किसी तरह बच्चे को बाहर निकाला। परिजन बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी डीपी शुक्ला ने बताया कि मृतक बच्चे के पिता आशीष की शिकायत पर जयंत शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कार चालक जयंत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और दुर्घटना में शामिल कार को भी जप्त कर लिया है। इस हादसे में बच्चे की मौत के बाद से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

AQI हुआ 400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तमाम उपायों के बाद भी प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के कुछ इलाकों में वायु प्रदूषण सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 400 के पार पहुंच गया है। वहीं, दिल्ली से सटे गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम में भी सांसों पर संकट बढ़ता जा रहा है।

दिवाली के बाद से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार चला गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है(वहीं, लोधी रोड, ITO और इंडिया गेट जैसे इलाकों में भी हवा की गुणवत्ता यानी एयर

क्वालिटी इंडेक्स बेहद खराब है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के मुताबिक, आज (गुरुवार) 30 अक्टूबर को आनंद विहार इलाके में AQI 409 पहुंच गया जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है. वहीं, लोधी रोड इलाके में भी AQI 325 दर्ज किया गया है, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में है। इसके अलावा इंडिया गेट इलाके में भी हवा की गुणवत्ता 319 AQI के साथ 'बेहद खराब' श्रेणी में रिकॉर्ड की गई है।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार प्रेमिका ने लगाई फांसी

नोएडा (चेतना मंच)। प्रेमी द्वारा शादी से इंकार किए जाने से आहत होकर युवती ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। मृतका की माँ ने युवक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज कराया है।

आगरा निवासी मंजू सक्सेना (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी प्रिया सक्सेना (काल्पनिक नाम) तीन माह पहले आगरा से नोएडा में जॉब करने के लिए आई थी। वह हाल में थाना फेस-3 क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव में रह रही थी। मंगलवार को उसे सूचना मिली कि उसकी बेटी ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना के बाद वह नोएडा पहुंची।

मंजू सक्सेना ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी ग्राम जामू जिला कानपुर देहात निवासी भानू सिंह से प्यार करती थी। दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे और भानू ने उसके साथ शादी करने का वादा किया था। कुछ समय पहले भानू ने उनकी बेटी से शादी करने से इंकार कर दिया। इस बात को लेकर वह खासी परेशान रहती थी। मंजू के मुताबिक भानू द्वारा शादी न करने को लेकर ही उसकी बेटी ने आत्महत्या की है। उसने भानू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बिहार की जनता भाजपा के साथ : डॉ. महेश शर्मा

औरंगाबाद में पार्टी पदाधिकारियों के साथ की बैठक

पटना (एजेंसी)।

बिहार की औरंगाबाद लोकसभा में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक की। इस बैठक में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, एमएलसी श्री दिलीप सिंह, तथा औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी त्रिविक्रम सिंह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक कार्ययोजना तय की गई।

इस मौके पर सांसद डॉ. शर्मा ने कहा कि

भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों एवं विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और जनता का समर्थन भाजपा के पक्ष में है।

इस अवसर पर डा. शर्मा ने सदर प्रखंड के ग्राम भरथौली में सूर्य मंदिर विकास परिषद द्वारा आयोजित देवी भक्ति जागरण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि छठ पर्व लोक आस्था, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, एमएलसी दिलीप सिंह, भाजपा प्रत्याशी त्रिविक्रम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विजेंद्र चंद्रवंशी, औरंगाबाद प्रभारी मनोज कुशवाहा, महासचिव सतीश कुमार सिंह सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नाबालिक किशोरी को भगा ले गया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के हिंडन विहार से एक नाबालिक किशोरी को युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

हिंडन विहार में रहने वाले रमेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 अक्टूबर की सुबह उनके 13 वर्षीय बेटी को ग्राम भोरा जनपद बुलंदशहर निवासी हर्ष भाटी बहला फुसलाकर भगा ले गया। बेटी के लापता होने पर उन्होंने उसके काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी युवक व किशोरी की तलाश की जा रही है।

हरौला से चोरी मोबाइल नेपाल में बेचा, पुलिस ने दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन, तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कुछ समय पूर्व हरौला गांव की मार्केट में एक दुकान का शटर तोड़कर मोबाइल फोन चोरी किए थे और इन्हें नेपाल में ले जाकर बेच दिया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-14ए ओवर ब्रिज के नीचे गश्त पर थी। इस दौरान ब्रिज के नीचे खड़ा हुआ एक व्यक्ति पुलिस को देखकर छुपने का प्रयास करने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसे हिरासत में

ले लिया। तलाशी में उसके पास से तीन मोबाइल फोन, तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र लोरिक राय निवासी पूर्वी चंपारण बिहार बताया। अनिल कुमार ने बताया कि वह हाल में गुरुग्राम हरियाणा में रह रहा है। वह सेक्टर-15 नया बांस की झुग्गी में रहने वाले अपने सास-ससुर के पास मिलने आया था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

रौब दिखाने के लिए रखता था तमंचा

नोएडा (चेतना मंच)। आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे एक बदमाश को थाना सेक्टर-49 से गिरफ्तार किया है। बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास मुकुंद ने सूचना दी कि सेक्टर-50 के टावर के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार लिए किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची और उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

माँ-बेटे पर लाठी-डंडों से हमला बच्चों में हुआ था झगड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर के नगला जहां गांव में बच्चों के विवाद में कुछ लोगों ने पड़ोसी के घर पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने घर में मौजूद माँ-बेटे की लाठी-डंडों से पिटाई कर उन्हें घायल कर दिया। गंभीर स्थिति में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्राम नगला जहां निवासी इमरान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 अक्टूबर को बच्चों को लेकर उनका अपने पड़ोसी दिलशाद आदि से वाद-विवाद हो गया था। उस समय मौजूद लोगों ने इस मामले को शांत कर दिया था। 24 अक्टूबर की शाम को वह परिवार सहित अपने घर में बैठे हुए

थे। इस दौरान गांव के ही दिलशाद, राज मोहम्मद, नरगिस नहीं अपने हाथों में सरिया लेकर गाली-गलौज करते हुए उसके भाई हारून के घर में घुस आए। इन लोगों ने हारून के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। हारून ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर हमला बोल दिया। अरुण को बचाने आई उनकी मां नसीब के साथ भी आरोपियों (शेष पृष्ठ-3 पर)

रास्ते में रोककर दी गाली, लगाई पिटाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र में दुकान से सामान लेकर लौट रहे एक व्यक्ति के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर गाली-गलौज की। मारपीट में पीड़ित को चोटें आई हैं। पीड़ित की पत्नी ने तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम कोट निवासी श्रीमती रेशम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 10 अक्टूबर की रात्रि को उसका पति चांद मोहम्मद घर के पास दुकान पर सामान लेने गया था। रास्ते में उसे मोहित, पवन, सबी आदि ने रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। उसके पति ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान सभी आरोपी शराब के नशे में थे। चांद मोहम्मद को लहू-लुहान करने के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। किसी तरह चांद मोहम्मद अपने घर पहुंचा और परिजनों को इस घटना की जानकारी दी। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

योगी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में लिया फैसला : ओमवीर

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश में गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि का किसान मोर्चा नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष ओमवीर आवाना ने स्वागत किया है और इसके लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गन्ने के मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा किसानों के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। नवीन दरों के अनुसार अगेती प्रजाति का मूल्य अब 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का

मूल्य 390 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप प्रदेश के गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा।

श्री आवाना ने कहा कि यह निर्णय किसानों की मेहनत, परिश्रम और योगदान का सम्मान है। सरकार के इस (शेष पृष्ठ-3 पर)

राष्ट्र के विकास में स्वस्थ नागरिकों का महत्व : डॉ. अशोक चौहान

26वें अंतर एमिटी संस्थान खेल प्रतियोगिता "संगठन 2025" का समापन

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय और संस्थानों में चल रहे 26वें अंतर एमिटी संस्थान खेल प्रतियोगिता ''संगठन 2025'' में संस्थापक दिवस समारोह के अवसर पर एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार चौहान, एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डॉ. अमिता चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. अतुल चौहान और एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डॉ. असीम चौहान द्वारा विजेता टीमों और छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में एमिटी स्कूल ऑफ

इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम को प्रथम, एमिटी लॉ स्कूल की टीम को द्वितीय और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी की टीम एंव एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड साइंसेस की टीम को संयुक्त रूप से तृतीय विजेता की ट्राफी प्रदान की गई। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डा अतुल चौहान द्वारा ''नये बृहद डा अशोक कुमार चौहान ब्लाक निर्माण'' की घोषणा की गई जिसके भूतल पर एक संग्रहालय होगा जो एमिटी के इतिहास को दर्शायेगा।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए खेल सबसे अच्छा तरीका है। किसी भी व्यक्ति की सफलता मानसिक और शारीरिक ऊर्जा पर निर्भर करती है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मादक पदार्थों का विक्रेता गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने मादक पदार्थों के एक विक्रेता को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के पास से गांजा बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर सकपका कर पीछे मुड़कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे रोक लिया। युवक के थैले की तलाशी ली गई तो उसमें से 1 किलो 115 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम राकेश पुत्र उदयवीर निवासी ग्राम फाजिलपुर जनपद शाहजहांपुर बताया। वह हाल में थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम रायपुर बांगर में किराए पर रह रहा है। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह गांजा लाकर उसकी बिक्री करता है। वह पिछले काफी समय से गांजे की तस्करी एवं बिक्री में संलिप्त है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

मतदाता सूची में सुधार

उम्मीद के अनुरूप चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दूसरे चरण की विधिवत शुरुआत कर दी है। इस चरण में देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के तकरीब 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिये केवल तीन माह का समय दिया है। लेकिन एक बात तो तय है कि बिहार में एसआईआर पर लंबे समय से चले विवादों के मद्देनजर, इस प्रक्रिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। खासकर उन राज्यों में जहां विपक्षी दल शासित सरकारें हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व महाराष्ट्र से ऐसी प्रतिक्रिया आनी भी शुरू हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिये जरूरी है कि पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में निश्चित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। वहीं अयोग्य मतदाता को हटाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर कोई विवाद नहीं माना जा सकता। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया के मद्देनजर पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही तत्काल सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस बाबत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि आगामी एसआईआर का लक्ष्य मतदाता सूचियों की लंबे समय से लंबित राष्ट्रव्यापी सफाई करना है। ऐसे व्यापक संशोधन देश में समय-समय पर हुए हैं और पिछला संशोधन दो दशक पहले हुआ था। जाहिर बात है कि इस लंबे अंतराल के दौरान मतदाता सूचियों में कई विसंगतियां और त्रुटियां उत्पन्न हो गई होंगी। आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में सूचीबद्ध हैं। देश में निष्पक्ष चुनाव के लिये इन सूचियों का प्रमाणीकरण अपेक्षित है। लेकिन इसके बावजूद विपक्ष दलों की आशंकाओं की अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही लोगों में लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया के प्रति उत्साह बना रहना भी जरूरी है। दरअसल, कांग्रेस, माकपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों को आशंका है कि एसआईआर का इस्तेमाल अवैध मतदाताओं की पहचान की आड़ में लक्षित वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के लिये हो सकता है। वैसे बिहार में हुई कवायद के बाद ज्ञात नहीं है कि यह प्रक्रिया कितने अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने में सफल रही है। निस्संदेह, चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा उचित प्रक्रिया-परिश्रम और जनता के विश्वास पर ही टिकी है। निर्विवाद रूप से देश में चुनाव कराने वाली शीर्ष संवैधानिक संस्था की ईमानदारी और निष्पक्षता दोषमुक्त होनी ही चाहिए। चुनाव आयोग को व्यापक सत्यापन, इस प्रक्रिया से जुड़े तमाम हितधारकों के साथ विमर्श और वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार को अक्षुण्ण बनाने हेतु एक ठोस निवारण तंत्र विकसित करने की जरूरत है। विपक्षी दलों द्वारा वोट चोरी और अन्य अनियमितताओं के कथित आरोपों का खंडन ठोस सबूतों के साथ किया जाना चाहिए। ताकि जनता में इस प्रक्रिया को लेकर भरोसा कायम रह सके। वैसे एसआईआर के दूसरे चरण का सकारात्मक पक्ष यह जरूर है कि आयोग ने प्रक्रिया के लिये पर्याप्त समय दिया है ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी के आक्षेपों से बचा जा सके। निश्चित रूप से आधार कार्ड को सहायक दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का लाभ प्रक्रिया के सरलीकरण में मिलेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सामने आई चुनौतियां इस दूसरे चरण की प्रक्रिया में मार्गदर्शक का कार्य करेंगी। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दूसरे चरण में शामिल राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों को वैसी परेशानी का सामना न करना पड़े, जैसी कि बिहार के लोगों में सामने आई थी। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि योग्य मतदाता न छूटे और कोई फर्जी मतदाता लिस्ट में शामिल न होने पाए। यहां उल्लेखनीय है कि जिन राज्यों में दूसरे चरण के दौरान मतदाता सूचियों को गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से गुजरना है, उनमें से कुछ में अगले साल चुनाव होने हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु व पुडुचेरी शामिल हैं। बहरहाल, कोशिश हो कि न ही जनता को परेशानी उठानी पड़े और न ही चुनाव कर्मियों में भ्रम जैसी स्थिति बनी रहे।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि फूल पाकर मुनि ने पूजा की। फिर दोनों भाइयों को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारे मनोरथ सफल हों। यह सुनकर श्री राम-लक्ष्मण सुखी हुए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करि भोजनु मुनिबर बिग्यानी। लगे कहन कछु कथा पुरानी॥
बिगत दिवसु गुरु आयसु पाई। संध्या करन चले दोउ भाई॥

श्रेष्ठ विज्ञानी मुनि विश्वामित्रजी भोजन करके कुछ प्राचीन कथाएँ कहने लगे। (इतने में) दिन बीत गया और गुरु की आज्ञा पाकर दोनों भाई संध्या करने चले॥

प्राची दिसि ससि उयउ सुहावा। सिय मुख सरिस देखि सुखु पावा॥
बहुरि बिचारु कीन्ह मन माहीं। सीय बदन सम हिमकर नाहीं॥

(उधर) पूर्व दिशा में सुंदर चन्द्रमा उदय हुआ। श्री रामचन्द्रजी ने उसे सीता के मुख के समान देखकर सुख पाया। फिर मन में विचार किया कि यह चन्द्रमा सीताजी के मुख के समान नहीं है॥

दो0-जनमु सिंधु पुनि बंधु बिषु दिन मलीन सकलंक।
सिय मुख समता पाव किमि चंदु बापुरो रंक॥

खारे समुद्र में तो इसका जन्म, फिर (उसी समुद्र से उत्पन्न होने के कारण) विष इसका भाई, दिन में यह मलिन (शोभाहीन, निस्तेज) रहता है, और कलंकी (काले दाग से युक्त) है। बेचारा गरीब चन्द्रमा सीताजी के मुख की बराबरी कैसे पा सकता है?॥

(क्रमश:..)

मिलेनियल्स लिखेंगे बिहार की तकदीर

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। देश में पिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी।

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता।

चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है। मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है।

दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है। जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है।

साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी। हांलाकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है। माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है।

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता। यह पीढ़ी हालातों से अधिक नजदीक से रुबरु हुई है। ऐसे में साफ हो जाना चाहिए कि वैसे तो 14 नवंबर को आने वाले रिजल्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा कि किसकी सरकार बनती है और कौनसी पीढ़ी या कौनसे फैक्टर्स चुनाव नतीजों को अधिक प्रभावित कर पाते हैं पर इससे दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स की भूमिका अहम रहेगी। कोई भी दल या गठबंधन को मिलेनियल्स को कमतर आंकने की गलती करना निश्चित रुप से महंगा पड़ेगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विकास यात्रा में बड़ी बाधा है अवैध प्रवासन

राष्ट्रीय समस्याएं कई स्तर पर कई विकृत व विसंगत स्वरूपों में हल हुए बिना ही परिव्याप्त हैं। जब तक इन समस्याओं का युद्धस्तर पर, क्रांतिकारी ढंग से, सुनियोजित व सुशासकीय विधिपूर्वक समाधान नहीं हो जाता, तब तक मूल भारतीय निवासियों का जीवन कितनी ही आधुनिक प्रगतियों के उपरांत भी असंतुष्ट, अशांत व दुःखी बना रहेगा। ऐसी ही समस्याओं में से एक है देश में अवैध प्रवासन। औपचारिक रूप में स्वतंत्र होने के बाद से लेकर अब तक अवैध प्रवासन वर्ष-प्रतिवर्ष नई-नई चुनौतियों के साथ बढ़ता रहा है। केंद्र व राज्यों में स्थापित रहे पहले के शासन ने इस ओर समस्या की दृष्टि के साथ ध्यान ही नहीं दिया। विपरीत ऐसे शासन ने अवैध रूप में भारत में रहे लोगों को अपने-अपने राजनीतिक दलों के लिए अवैध मतदाताओं के रूप में इस्तेमाल किया। सत्तारूढ़ होने के लिए ऐसे दलों का यह राजनीतिक अभ्यास आज भी चल रहा है। चौदह वर्ष पूर्व केंद्र में सत्तासीन राजग के शासनकाल में यह दुष्प्रवृत्ति पहचानी गई। इसके निवारण हेतु राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक प्रयास किए गए। गत चौदह वर्षों से इस दिशा में सैद्धांतिक स्तर पर तो शासकीय-प्रशासकीय कार्य अवश्य हो रहे हैं, किंतु धरातल पर क्रांतिकारी व त्वरित कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। वर्तमान केंद्रीय शासन ने अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गत मार्च के प्रथम सप्ताह में संसद में एक विधेयक पारित किया था, किंतु विधेयक का धरातली प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन आज तक भी आरंभ नहीं हो सका है। गत अप्रैल में पहलगाम नरसंहार हुआ था। नरसंहार के दोषी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों को कठोर दंड देने के संकल्प के साथ ही भारतीय शासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समेत अनेक स्तरीय संबंध समाप्त कर दिए थे।

पाकिस्तानी नागरिकों को कुछ दिनों में भारत छोड़ने के लिए कह दिया गया था। इसी क्रम में वाघा अटारी सीमा भी बंद कर दी गई थी। परिणामस्वरूप देशभर में पाकिस्तान समेत अनेक अन्य सीमावर्ती देशों के अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर निकालने का अभियान आरंभ हुआ। समय बीतने पर पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों व आतंकवादियों को समाप्त करने के बाद प्रतिशोधवश किए गए पाक के सैन्य दुस्साहस को ध्वस्त करने हेतु भारत-पाकिस्तान के मध्य अल्प समयावधियों के दो युद्ध भी हुए। भारत ने ये युद्ध पहलगाम नरसंहार में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से ऑपरेशन सिंदूर अभियान के अंतर्गत किए थे, जिनमें पाकिस्तान गिड़गिड़ाते हुए घुटनों पर आ गया और उसने अपने

सैन्य परिचालन निदेशक के माध्यम से अपने भारतीय समकक्ष के साथ फोन वार्ता कर युद्ध रुकवाने का अनुरोध किया। इतना सब होने की समयावधि में भारत का केंद्रीय प्रजातंत्र पाकिस्तान व बांग्लादेश समेत अन्य देशों के अवैध व्यक्तियों को देश से बाहर करने के लिए अतिसक्रिय दिखाई दिया था। किंतु ज्यों ही भारत व पाकिस्तान का युद्ध थमा, ट्रंपप्रेरित टैरिफ के उतार-चढ़ावों से भारत देश प्रभावित होने लगा तथा भारतीय शासन अन्य देशी-विदेशी कार्यों व योजनाओं में व्यस्त हुआ, त्यों ही अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की शासकीय-प्रशासकीय गतिविधियां शिथिल पड़ने लगीं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, अफगानिस्तान, नेपाल जैसे भारत के पड़ोसी देशों के अतिरिक्त अन्य देशों के अवैध रूप में रह रहे व्यक्तियों को शासकीय अभिरक्षा में लेकर अनिवार्य कार्रवाई करते हुए उन्हें देश से निकाले जाने के कार्य रुक गए। अवैध व्यक्तियों को भारत से बाहर करने की कार्रवाइयां तब तक होती रहनी चाहिए, जब तक कि एक-एक अवैध व्यक्ति को बाहर नहीं कर दिया जाता तथा भविष्य में किसी भी तरह उत्पन्न हो सकने वाली अवैध प्रवासन की परिस्थितियों के लिए एक पूर्वनिवारक निष्ठावान प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित नहीं कर दिया जाता। यह सुनिश्चित है कि भारत में पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे देशों के न्यूनतम दस-बीस करोड़ अवैध व्यक्ति तो रह ही रहे हैं। इन करोड़ों अवैध लोगों का रहन-सहन सीधा-साधा व सादा नहीं है। ये लोग भारतीय अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, समाजव्यवस्था में कोई सकारात्मक योगदान नहीं देते। इनकी उपस्थिति चहुंमुखी अराजकता उत्पन्न करती है। प्राय: ये लोग हरसंभव अवैध कार्यों में लिप्त पाए जाते हैं। इनके कारण मूल भारतीय निवासियों के अधिकारों का हनन होता है। मूलनिवासी अनेक स्तरीय असुरक्षा से घिरते हैं। अवैध प्रवासन की स्थितियां राजनीति से लेकर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र तक अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न करती हैं। भारत की राजधानी दिल्ली एवं विशाल महानगर ही नहीं, अपितु सुदूर के छोटे-छोटे उप नगरों एवं गांवों तक में अवैध व्यक्ति उपस्थित हैं।

देश में सार्वजनिक अपराधों के होने में भी अवैध व्यक्तियों की संलिप्तता अत्यधिक है। ऐसे लोग जिन देशों के मूल नागरिक होते हैं, उनके लिए भी भारत विरोधी जासूसी व अन्य कार्य करते हैं। कुछ दिन पूर्व चीन में बंद कार में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो विस्तृत वार्ता की थी, उसमें यही उल्लेख था कि कैसे अमेरिकी सीआईए का एक कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी की हत्या करने के षड्यंत्र से बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक होटल में ठहरा हुआ था। भारत के सौभाग्य से वह षड्यंत्रकारी होटल में मृत पाया गया। इस प्रकरण में भारतवासी यह प्रसन्नता अनुभव कर सकते हैं कि रूस, भारत व चीन की गुप्तचर एजेंसियों ने मिलकर सीआईए एजेंट के षड्यंत्र को विफल कर उसे मार दिया, किंतु इस आधार पर भारत के केंद्रीय शासन को बांग्लादेश की ओर से भारत में होने वाली अवैध घुसपैठ समेत समस्त अन्य गतिविधियों पर नवीन कठोर नियंत्रण लगाने होंगे।

साथ ही भारत में पड़ोसी देशों तथा सुदूर के दूसरे देशों से होने वाले अवैध प्रवासन पर कठोर से भी कठोर नियंत्रण लगाने की अति आवश्यकता है। भारतीय शासन को 'आप्रवास एवं विदेशी विषयक विधेयक 2025' को इसकी नियामकीय शर्तों के साथ प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करना चाहिए। यदि भारत में आप्रवासन की स्थितियां-परिस्थितियां विधेयक के कठोर नियमों का अतिक्रमण करते हुए अत्यधिक संकटमुखी हो चुकी हैं, तो केंद्रीय शासन को अवैध प्रवास रोकने के लिए वैसे ही कार्य करने चाहिए, जैसे नक्सली समस्याओं के निवारण के लिए कर रही है। गत पांच वर्षों में यह देखना अति गर्व एवं आनंद का विषय है कि वर्तमान केंद्रीय शासन अपने निर्धारित संकल्प के अनुरूप क्रांतिकारी ढंग से नक्सली समस्या का समाधान कर रही है। ऐसी ही शासकीय कार्यगत दिशादृष्टि अवैध प्रवास के रोकथाम तथा एक-एक अवैध व्यक्ति को देश से बाहर करने के लिए भी जाग्रत होनी चाहिए। विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले है। अत: केंद्रीय शासन को इस दिशा में बिना रुके निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। कार्य योजनाओं को प्रतिदिन परिष्कृत करने की आवश्यकता है।

-विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पैतृक स्थिति आपकी सुदृढ़ होगी। पैतृक संपत्ति सुदृढ़ होगी। राजनीतिक लाभ मिलेगा। पिता का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
थोड़ा बचकर पार करें। परिस्थितियां थोड़ी सी विपरीत हैं। प्रेम-संतान अच्छा है और व्यापार भी अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी के साथ आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी चाकरी में उत्थान संभव है। प्रेम की स्थिति अच्छी है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। ज्ञानार्जन का समय। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। लेखकों के लिए, कवियों के लिए अच्छा समय। प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग है। व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यावसायिक उत्थान होगा। स्वास्थ्य काफी बेहतर। प्रेम-संतान बहुत अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन आगमन होगा। मित्रों का संख्या व परिवार जनों की संख्या बढ़ेगी। थोड़ा सा कंट्रोल रखिएगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सितारों की तरह चमकेंगे। ओजस्वी-तेजस्वी बने रहेंगे। स्वास्थ्य काफी सुधार में, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन व्याकुल रहेगा। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। भयभीत रहेंगे। प्रेम-संतान साथ देगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
यात्रा का अवसर मिलेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आय की स्थिति बढ़ेगी। प्रेम-संतान बहुत अच्छा रहेगा।

सीटू ने किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (चेतना मंच)। एमसीडी के विभिन्न विभागों में कार्यरत डेंगू, चिकनगुनिया व मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम में पिछले 30 वर्ष से कार्यरत 5000 हजार एमटीएस (पीएच)/ डीबीसी, सीएफडब्ल्यू कर्मचारी पिछले 1 माह से वेतन बढ़ोतरी सहित कई मांगों को लेकर हड़ताल कर दिल्ली निगम के मुख्यालय सिविल सेंटर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलनरत कर्मचारियों के समर्थन में सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी के आह्वान पर कर्मचारियों की विभिन्न यूनियनों के कार्यकर्ताओं/मजदूरों ने आज जंतर मंतर नई दिल्ली पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

जंतर मंतर नई दिल्ली पर हुए प्रदर्शन में गौतम बुद्ध नगर से सीटू नेता मुकेश कुमार राघव, राम स्वारथ, रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों सीटू कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शन को सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी के नेता कामरेड पीवी अनियन, अनुराग सक्सैना, मदन, ज्ञानेंद्र, मुकेश कुमार राघव सहित विभिन्न यूनियनों के नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि हड़ताल की संपूर्ण जिम्मेदारी निगम शासन प्रशासन की है। केंद्र और प्रदेश सरकार को हस्तक्षेप कर कर्मचारियों की जज मांगों पर सम्मानजनक शीघ्र समझौता करना चाहिए नहीं तो पूरे दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में मजदूरों की योजनाएं बड़ा आंदोलन करने को विवश होगी।

कर्मचारियों की मांगों की जानकारी देते हुए सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि पिछले 30 वर्षों में लगातार पूरे साल दिल्ली की जनता की सेवा में तत्पर पर हजारों एमटीएस (पीएच) हेल्थ वॉरियर्स (स्वास्थ्य योद्धाओं) को एक समान ग्रेड पे और वेरिएबल डीए देकर पक्का किया जाए! सभी को मेडिकल लीव व अर्जित अवकाश दिए जाएं! ड्यूटी पर अपनी जान गवाने वाले कर्मचारियों के परिवार के एक सदस्य को करुणामूलक आधार पर नौकरी दी जाए! जोखिम भरे काम को देखते हुए सभी को रिस्क अलाउंस दिया जाए आदि मांगे हैं। निगम मुख्यालय सिविल सेंटर नई दिल्ली पर कर्मचारियों का धरना रात दिन जारी है।

किसान एकता महासंघ के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बृहस्पतिवार को किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना व प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान के नेतृत्व में संगठन का प्रतिनिधिमंडल ने यमुना प्राधिकरण मे किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ता की।

इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष अरविन्द सेक्रेटरी ने बताया किसानो की मुख्य मांग आबादी निस्तारण,युवाओं को रोज़गार शिक्षा चिकित्सा सहित 64.7% मुआवजा गाँवों के विकास कार्य स्ट्रीट लाइट,बारात घर,शमशान घाट,गाँवों में पुस्तकालय ओपन जिम सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह,एसडीम शिव अवतार सिंह जीएम राजेन्द्र भाटी सहित अन्य अधिकारियों से वार्ता की। वार्ता सभी मुद्दों पर सकारात्मक रही जगनपुर, अट्टा गुजरान, औरगपुर, डूंगरपुर रीलका सहित आदि गाँवों के शेष बचा 64.7% मुआवजे जनवरी तक वितरित कर दिया जाएगा आबादी का निस्तारण सेटेलाइट के आधार पर जल्द ही किया जाएगा सभी गाँवों की स्ट्रीट लाइट को तत्काल ठीक कराने का आदेश दिए पाँच गाँवों में ओपन जिम जल्द ही लगाई जाएगी।सभी मांगों का जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

इस मौके पर रमेश कसाना, पप्पू प्रधान, राजवीर ठेकेदार, बलजीत हवलदार, अमित नागर, नीरज कसाना, देवेंद्र कसाना, सुंदर सिंह, भारत कसाना, सतपाल सिंह, भागीरथ, लक्ष्मण कसाना सहित दर्जन लोग उपस्थित रहे।

गन्ना मूल्य बढ़ाये जाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रणीत भाटी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गन्ना किसानों को बड़ी सौगात देने पर बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी कर किसानों के चेहरे पर खुशहाली लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा की गई है। उन्होंने कहा की नई घोषणा के अनुसार अब गन्ने का मूल्य 400 प्रति कुंतल किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गन्ना मूल्य बढ़ाने पर आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में किसानों का सर्वाधिक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक गन्ने का चार बार समर्थन मूल्य सरकार द्वारा बढ़ाया जा चुका है। उन्होंने एक बार फिर से दावा करते हुए कहा कि बिहार में हो रहे विधानसभा के चुनाव में एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज बिहार जंगल राज से पूरी तरह से बाहर आ चुका है और विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं सहयोगी दल मिलकर बिहार में सरकार बनाएगा।

मुख्यमंत्री का किसानों ने जताया आभार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम कोट डेरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ना पेराई सत्र 2025-26 30 रुपये प्रति कुंतल गन्ना समर्थन मूल्य बढ़ाने पर किसान भाइयों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रेषित की किसानों ने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया एवं अपनी खुशी जाहिर की व किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह व क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर को धन्यवाद दिया।

इस मौके पर विमल पुंडीर, जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा किसान भाइयों की खुशी में सम्मिलित हुए।

इस मौके पर उपाध्यक्ष अजब सिंह प्रधान मंत्री अतुल शर्मा रणधीर राणा माही लाल भाटी विजेंद्र भाटी जयप्रकाश भाटी अशोक भाटी सुरेंद्र धीरज श्रीनिवास चेयरमैन साहब अतुल भीमेश भाटी मोहित रफाकत खान आदि लोग उपस्थित रहे।

ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने आज कलेक्ट्रेट सुरजपुर स्थित ईवीएम/वीवीपेट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के सम्बन्धित अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस दौरान खिड़कियों एवं रोशनदान की सुरक्षा का भी जायजा लिया जोकि संतोषजनक मिली।

इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

पिछले दिनों नोएडा स्टेडियम में बनाये गये घाट पर छठ मैया की पूजा-अर्चना करते चंदन भाई तथा उनकी धर्मपत्नी तथा अन्य परिजन व व्रती महिलाएं।

प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी : चैनपाल प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी सौगात दी है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में बढ़ोत्तरी की घोषणा की है। गन्ने के मूल्य में प्रति कुंतल 30 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। नई घोषणा के अनुसार, अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति कुंतल तथा सामान्य प्रजाति के गन्ने का मूल्य 390 रुपये प्रति कुंतल किया गया है। प्रदेश सरकार के इस फैसले को गन्ना किसानों के लिए बड़ी राहत है। यह घोषणा पेराई सत्र 2025-26 के लिए की गई है।

गन्ना मूल्य वृद्धि से किसानों को 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। योगी सरकार ने दावा किया है कि 2017 से अब तक चार बार गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। बीते साढ़े 8 वर्षों में रिकॉर्ड है । पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में 1,42,879 करोड़ रुपये अधिक भुगतान योगी सरकार में हुआ। हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष चैनपाल ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया है।

Name Change

This is to inform you that I, UDAIBIR SINGH S/O MAHIPAL SINGH, have changed my name to UDAIVEER SINGH S/O MAHIPAL SINGH MAHILAL, my correct date of birth is 01/01/1956, going forward, I will be known on the name of UDAIVEER SINGH S/O MAHIPAL SINGH MAHILAL

पृष्ठ एक के शेष....

माँ-बेटे पर लाठी...

ने मारपीट की। मारपीट में दोनों को गंभीर चोटें आई। आरोपी कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। आरोपियों के जाने के बाद वह अपने भाई को जेवर स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें नोएडा के जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पीड़ित के मुताबिक उसकी मां एवं भाई की हालत गंभीर बनी हुई है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

रास्ते में रोककर...

रेशमा ने आशंका जताई है कि भविष्य में भी उनके साथ आरोपी किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

योगी सरकार ने गन्ना...

कदम से न केवल किसानों के आय में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार लगातार किसान-हित में कार्य कर रही है और यह वृद्धि कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। किसान मोर्चा इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

हरौला से चोरी ...

बरामद तमंचे व मोबाइल फोन को वह किसी जरूरतमंद को बेचने की फिराक में था।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से जब शख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हरौला की मार्केट से एक दुकान के शटर के ताले काटकर मोबाइल फोन चोरी किए जाने की घटना को भी अंजाम देना स्वीकार किया। पकड़े गए अनिल ने बताया कि इस घटना में उसके साथ सुनील व एक अन्य व्यक्ति शामिल था। दुकान से चोरी किए गए मोबाइल फोन को उन्होंने नेपाल में जाकर दो लाख रुपए में बेच दिया था। बरामद मोबाइल के बारे में उसने बताया कि उसने यह काफी समय पहले गुड़गांव में लोगों के घरों से चोरी किए थे। पैसों की जरूरत होने पर वह इन्हें बेचने के लिए नोएडा आया था। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

रौब दिखाने के ...

पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम मोंटी यादव उर्फ मोनू यादव पुत्र सुंदर यादव निवासी होशियारपुर बताया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लोगों पर अपना रौब दिखाने के लिए तमंचा रखता है। पुलिस ने इसके पास से एक बिना नंबर की बलेनो कार भी बरामद की। कार के कागजात न दिखाने पर पुलिस ने एमवी एक्ट की धारा-207 के तहत मामला दर्ज कर दिया है।

राष्ट्र के विकास में...

मेरा जीवन अनुभव कहता है कि जिस प्रकार यश और धन प्राप्त करने के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है। इसी तरह से, स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क प्राप्त करने के लिए, सभी को किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि में अवश्य शामिल होना चाहिए, जिसके लिए खेल सबसे अच्छा तरीका है और इसलिए हम सभी एमिटी संस्थानों, विश्वविद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के प्रेरित करते है। किसी भी राष्ट्र के विकास में स्वस्थ नागरिकों का महत्व होता है इसलिए यह खेल प्रतियोगिता संगठन 2025 और भी आवश्यक है।

संगठन 2025 के आयोजन समिति के चेयरपरसन डा संजीव बंसल ने स्वागत करते हुए कहा कि एमिटी के छात्रों के अकादमिक जीवन में संगठन सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है। 16 सितंबर 2025 से प्रारंभ हुए इस संगठन प्रतियोगिता में एमिटी के विभिन्न विश्वविद्यालयों, एमिटी विद्यालयों, एमिटी के वैश्विक कैंपसों आदि से लगभग 50 हजार छात्रों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया और 35 विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर एमिटी इंडियन मिलिट्री कॉलेज सहित एमिटी इंटरनेशनल स्कूलों, एमिटी विश्वविद्यालयो और एमिटी ग्लोबल बिजनेस स्कूल की टीमों आदि द्वारा मार्च पास्ट भी किया गया।

कार्यक्रम में एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजीत चौहान, रितनंद बलवेद एजुकेशन फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय चौहान, एमिटी के स्ट्रैटजिक ऑपरेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमोल चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी हयुमिनिटी फांउडेशन की चेयरपरसन डा पूजा चौहान, एमिऑन की चेयरपरसन श्रीमती संपना चौहान, एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आटर्स एंव एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की चेयरपरसन श्रीमती दिव्या चौहान, एमिटी फिनशिंग स्कूल की उपाध्यक्ष श्रीमती जयश्री चौहान, महताब चौहान, रितनंद बलवेद एजुकेशन फाउंडेशन के ट्रस्टी आनंद चौहान, अरूण चौहान, अजय चौहान सहित एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिदंर सिंह भी उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा संख्या. AGC-EL-C-T-04-2025-26 दिनांक–28.10.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली अभियंता/नि०–/उ०म०रे०/आगरा द्वारा निर्धारित फार्म पर निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदा ओन लाइन इ–टेन्डरिंग द्वारा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या:– AGC-EL-C-T-04-2025-26	
कार्य का नाम लोकेशन सहित:– उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल के भाण्डई फ्लाईओवर, इटावा–बांउड डाउन ट्रेन हेतु (10 कि.मी.) खण्ड में (2x25 KV, AC, 50 HZ.) ओ.एच.ई का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं कमिशनिंग के विद्युतीकरण कार्य के सम्बन्ध में।	
कार्य का अनुमानित लागत:-रु.7,10,31,434.00	निविदा धरोहर राशि:-5,05,200.00
कार्य समापन अवधि:– स्वीकृति पत्र के जारी होने से 12 माह तक मानसून अवधि सहित	
निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:– 19.11.2025 के 15:00 बजे तक	
वैधता अवधि:– निविदा खोलने की तिथि से 60 दिन	

निविदाएं केवल वेब पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 19.11.2025 के 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है। पूरी जानकारी के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 2020/25(D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

पीएम मोदी नौपरिवहन पर कॉन्क्लेव को करेंगे संबोधित, 85 से ज्यादा देश ले रहे हिस्सा

मुंबई, एजेंसी। भारत समुद्री सप्ताह 2025 का आयोजन मुंबई में हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज समुद्री नेताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मोदी आज शाम वैश्विक समुद्री सीईओ फोरम की अध्यक्षता भी करेंगे। इसमें 85 से ज्यादा देश, एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि और 500 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई पहुंच रहे हैं। मोदी भारत समुद्री सप्ताह 2025 में भाग लेंगे। भारत समुद्री सप्ताह में 85 से ज्यादा देश, एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि और 500 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में चल रहे भारत समुद्री सप्ताह 2025 में समुद्री नेताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मोदी आज शाम वैश्विक समुद्री सीईओ फोरम की अध्यक्षता भी करेंगे। सोमवार को शुरू हुए पांच दिवसीय आईएमडब्ल्यू 2025 में बंदरगाह अवसंरचना, हरित ऊर्जा और रक्षा जहाज निर्माण के क्षेत्र में नीति निर्माताओं, विचारकों और समुद्री विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया गया। भारत समुद्री सप्ताह 2025 ने प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता द्वारा संचालित नीली अर्थव्यवस्था के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। शिखर सम्मेलन के भाग के रूप में, हरित समुद्री, अंतर्देशीय जलमार्ग, समुद्री सुरक्षा, क्रूज और यात्री अर्थव्यवस्था, तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर कई केंद्रित सत्र आयोजित किए गए।

तेल आयात का फैसला कंपनियां खुद करती हैं, रूसी तेल प्रतिबंधों के बीच बीपीसीएल का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से रूसी तेल प्रतिबंधों के बीच बीपीसीएल का बयान आया है। अधिकारी ने बताया कि तेल रिफाइनरी के लिए तकनीकी-व्यावसायिक रूप से सबसे अधिक व्यवहार्य होता है, केवल बीपीसीएल ही नहीं, बल्कि हर रिफाइन उसे खरीदता है। इसलिए यही हमारा रुख है, चाहे वह रूसी तेल हो या कोई भी अन्य तेल। हम इसी तरह काम करते हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा है कि उसकी कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह टेक्नो-कमर्शियल वायबिलिटी पर आधारित होती है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह रूस सहित दुनिया के हर भौगोलिक क्षेत्र से कच्चा तेल खरीदती है। बीपीसीएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय खन्ना के अनुसार, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में रामायपटनम पोर्ट के पास प्रस्तावित ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के लिए वर्तमान में विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) तैयार की जा रही है। साथ ही परियोजना के लिए जरूरी पर्यावरणीय मंजूरियां हासिल करने की प्रक्रिया भी जारी है। खन्ना ने कहा कि हम हर क्षेत्र से तेल खरीदते हैं और, जो तेल रिफाइनरी के लिए तकनीकी-व्यावसायिक रूप से सबसे अधिक व्यवहार्य होता है, केवल बीपीसीएल ही नहीं, बल्कि हर रिफाइन उसे खरीदता है। इसलिए यही हमारा रुख है, चाहे वह रूसी तेल हो या कोई भी अन्य तेल। हम इसी तरह काम करते हैं। जो भी हमें कंपनी के लिए सबसे अधिक मूल्य दे रहा है, वह विश्वसनीय संचलान सुनिश्चित करता है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को रूस से कच्चे तेल के आयात पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि ये निर्णय देश स्तर पर नहीं, बल्कि संबंधित कंपनी स्तर पर लिए जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि कंपनियां कानून के अनुरूप ही यह निर्णय लेती हैं कि सबसे किफायती तेल कौन सा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की ओर से किसी भी कच्चे तेल के आयातक को यह निर्देश नहीं दिया गया है कि वे रूस से तेल खरीदें या नहीं। खन्ना ने आगे कहा कि 2070 तक देश के लिए नेट जीरो के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, बीपीसीएल ने 2040 तक नेट जीरो की एक विस्तृत योजना तैयार की है।

भारत के सेवा क्षेत्र ने 6 साल में 4 करोड़ रोजगार पैदा किए

नई दिल्ली, एजेंसी।
नीति आयोग द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत का सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बना हुआ है, जो देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का 55त्न से अधिक है और लगभग 18.8 करोड़ लोगों या देश के कार्यबल के लगभग 30त्न को रोजगार देता है.

भारत का सेवा क्षेत्र- जीवीए रुझानों और राज्य-स्तरीय गतिशीलता से अंतर्दृष्टि और भारत का सेवा क्षेत्र- रोजगार रुझानों और राज्य-स्तरीय गतिशीलता से अंतर्दृष्टि शीर्षक वाली दो रिपोर्ट इस बात का सबसे व्यापक विवरण प्रदान करती हैं कि भारत के विकास का सबसे बड़ा इंजन 2011-12 और 2023-24 के बीच पिछले 12 वर्षों में कैसे विकसित हुआ है, और इसे आगे किस दिशा में जाना चाहिए.

विस्तारित रोजगार इंजन

रिपोर्ट दर्शाती हैं कि सेवा क्षेत्र ने पिछले छह वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा किए हैं, जिससे कुल रोजगार में इसकी हिस्सेदारी 2011-12 के 26.9त्न से बढ़कर 2023-24 में 29.7त्न हो गई है. रोजगार लोच, यानी आर्थिक विकास का रोजगार में परिवर्तन, में तेज सुधार हुआ है, जो कोविड-19 से पहले 0.35 से बढ़कर बाद में 0.63 हो गया है. यह दर्शाता है कि कोविड के बाद भारत के सेवा क्षेत्र का विस्तार उत्पादन की तुलना में ज्यादा रोजगार पैदा कर रहा है. नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, नौकरी की लोच (लचीलापन) में सुधार दर्शाता है कि भारत का सेवा क्षेत्र अधिक समावेशी और रोजगार सृजित करने वाला बन रहा है. उन्होंने आगे कहा, हम जीडीपी वृद्धि और रोजगार सृजन के बीच मजबूत संबंध देख रहे हैं, विशेष रूप से वित्त, आईटी और डिजिटल समाधान जैसी आधुनिक सेवाओं के क्षेत्र में. इस प्रगति के बावजूद, रिपोर्ट आधुनिक और पारंपरिक सेवाओं के बीच बढ़ती खाई को रेखांकित करती है. आईटी, वित्तीय सेवाएं और पेशेवर परामर्श जैसे उच्च-मूल्य वाले उद्योग इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनमें केवल लगभग 2.5 करोड़ लोग ही कार्यरत हैं. इस बीच, पारंपरिक क्षेत्र, जैसे व्यापार, खुदरा व्यापार, परिवहन और आतिथ्य, 15.5 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों को रोजगार प्रदान करते हैं, जो अक्सर अनौपचारिक और कम वेतन वाले होते हैं. रोजगार की गुणवत्ता प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है. अधिकांश श्रमिकों के पास औपचारिक अनुबंध, स्थिर आय या सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच का अभाव है. रिपोर्ट में कहा गया है, सेवा क्षेत्र में अनौपचारिकता एक चुनौती और अवसर दोनों है, चुनौती इसलिए क्योंकि यह उत्पादकता और कल्याण को सीमित करती है, और अवसर इसलिए क्योंकि औपचारिकता लाखों नए स्थिर रोजगार पैदा कर सकती है.साथ ही, बेहतर बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और डिजिटल पहुंच के जरिये प्रमुख महानगरों के बाहर सेवा समूहों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए.

विनिर्माण के साथ एकीकरण: एक और प्रमुख सुझाव यह है कि उत्पादकता बढ़ाने और अधिक लचीली मूल्य श्रृंखलाएं बनाने के लिए सेवाओं को विनिर्माण के साथ एकीकृत किया जाए. उदाहरण के लिए, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में रसद, डिजाइन और वित्तीय सेवाओं को और गहराई से समाहित करने से प्रतिस्पर्धा और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है. रिपोर्ट में नीति निर्माताओं से यह भी आग्रह किया गया है कि वे गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके औपचारिक रोजगार का विस्तार करें।

क्षेत्रीय और लैंगिक असमानता

ये रिपोर्ट सेवा क्षेत्र के रोजगार की संरचना में गंभीर क्षेत्रीय और लैंगिक असमानताओं को उजागर करती हैं. कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात जैसे दक्षिणी और पश्चिमी राज्य वैश्विक बाजारों से जुड़ी उच्च-मूल्य वाली सेवाओं में अग्रणी हैं, जबकि छोटे राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और लोक प्रशासन पर अधिक निर्भर हैं. लैंगिक असमानताएं भी चौंकाने वाली हैं. सेवाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है और उन्हें कम वेतन मिलता है. ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं की आय पुरुषों की आय के आधे से भी कम है, जबकि शहरी क्षेत्रों में वे पुरुषों की आय का लगभग 84त्न कमाती हैं. रिपोर्ट में महिलाओं की भागीदारी और आय बढ़ाने के लिए लक्षित कौशल और सुरक्षा कार्यक्रमों का आह्वान किया गया है, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों में.

राज्य-स्तरीय रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित

इन अंतरों को पाटने के लिए, नीति आयोग ने प्रत्येक क्षेत्र की तुलनात्मक खूबियों के अनुरूप एक विभेदित राज्य रणनीति की सिफारिश की है. उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स सेवाओं का विस्तार कर सकते हैं, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश इको-टूरिज्म और शिक्षा सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है, सेवा क्षेत्र में संतुलित और व्यापक आधार वाली वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर नीति तैयार करना महत्वपूर्ण है.

लगातार घट रहे हैं सोने के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने के दाम लगातार कम हो रहे हैं। दिवाली में सोने की कीमत 1,32,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थी। लेकिन दिवाली के बाद से ही इसमें लगातार गिरावट आ रही है। अब सोने की कीमत 119,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब हो गई है। इसमें हो रही गिरावट को देख इसे खरीदने के बारे में सोच रहे हैं। क्योंकि अभी शादी का सीजन भी नजदीक है। लेकिन क्या अभी सोना खरीदना ठीक है। आइए समझते हैं। हमने ये सवाल कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया से पूछा। उन्होंने कहा कि अगर आप इसे शादी के लिए खरीद रहे हैं, तो इसे अभी खरीद लें। इसमें गिरावट का इंतजार न करें। ऐसा भी हो सकता है कि कोई तीन या चार साल में शादी का प्लान कर रहो, लेकिन बढ़ती कीमत को देख अभी खरीदने का फैसला लें, तो ऐसे में उसे क्या करना चाहिए। इस सवाल पर अजय केडिया ने कहा कि ऐसे में व्यक्ति गोल्ड ईटीएफ में पैसा लगा सकता है। जितना भी रिटर्न उसे गोल्ड में मिलना होगा, वो उसे ईटीएफ से मिल जाएगा। इसका मतलब हुआ कि जितना गोल्ड बढ़ेगा, वो उस व्यक्ति को रिटर्न के रूप में मिल जाएगा। इस तरह से वे बाद में भी गोल्ड आसानी से खरीद सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस साल निवेश के उद्देश्य से देखें तो गोल्ड 70 से 80 फीसदी रिटर्न दे चुका है। इसका कारण साल भर में होने वाली विश्व अस्थिरता है। ये अस्थिरता गोल्ड को सपोर्ट करती रही। हालांकि अगर अगले साल कुछ ऐसी अस्थिरता नहीं बनती, तो गोल्ड में मामूली तेजी देखी जाएगी। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया ने बताया कि अगर आगे भी कोई बड़ी विश्व अस्थिरता न रही तो सोने की कीमत 1,05,000-1,08,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच सकती है।

लेंसकार्ट के शेयरों की बढ़ती डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
लेंसकार्ट का आईपीओ आने से पहले एसबीआई म्यूचुअल फंड ने इस कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। दरअसल, एक रिपोर्ट में रेगुलेटरी फाइलिंग के विश्लेषण से पता चला है कि एसबीआई म्यूचुअल फंड ने लेंसकार्ट में पब्लिक इश्यू आने से पहले 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले डीमार्ट के फाउंडर और अरबपति निवेशक राधाकिशन दमानी भी प्री-आईपीओ ट्रांजेक्शन में लेंसकार्ट के 90 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीद चुके हैं। इस निवेश से लेंसकार्ट का मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जो भारत के सबसे बड़े घरेलू फंड हाउस में से एक एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा एक अहमण प्री-आईपीओ एंट्री है। यह निवेश एसबीआई एमएफ के दो ऑप्शनल इन्वेस्टमेंट फंड्स- एसबीआई ऑप्टिमल इक्विटी फंड और एसबीआई इमर्जेंट फंड के माध्यम से किया गया, जिन्होंने कंपनी की एक प्रमोटर नेहा बंसल से 402 रुपये प्रति शेयर की दर से 24.87 लाख शेयर खरीदे। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल लेनदेन मूल्य 100 करोड़ रुपये रहा। लेंसकार्ट का एंकर राउंड 29 अक्टूबर को खुलेगा, जिसके बाद 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच यह आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए ओपन होगा। कंपनी का लक्ष्य नए इश्यू और मौजूदा निवेशकों द्वारा 12.76 करोड़ शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 2150 करोड़ रुपये जुटाना है। लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में 297 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में उसे 10 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 6,652 करोड़ रुपये हो गया। जून 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही) में, इसने 1,894.5 करोड़ रुपये के राजस्व पर 61.2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दिखाया था।

अमेजन ने शुरू की अब तक की सबसे बड़ी छंटनी 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की नौकरी खतरे में

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेज़न अपने इतिहास की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट छंटनी की तैयारी में है, जिससे 30,000 कर्मचारियों पर असर पड़ने का अनुमान है। सीईओ एंडी जैसी के अनावश्यक नौकरशाही घटाने और एआई-आधारित स्वचालित प्रणालियों के उपयोग पर जोर के चलते यह कदम लागत कम करने और प्रक्रियाओं को तेज बनाने का एक रणनीतिक प्रयास है। यह तकनीकी क्षेत्र में एआई के बढ़ते प्रभाव को उजागर करता है।

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न एक बार फिर अपने कॉर्पोरेट कर्मचारियों की भारी छंटनी की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि यह अब तक का कंपनी इतिहास का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट लेवल लेऑफ हो सकता है। मौजूद जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह से ईमेल के ज़रिए कर्मचारियों को छंटनी की आधिकारिक सूचना भेजी जाएगी। अनुमान है कि इस दौर में लगभग 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं, जबकि कंपनी की ओर से इस संबंध में अभी कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि अमेज़न पहले ही

2022 में करीब 27,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुका है। अमेज़न फिलहाल अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी प्राइवेट नियोक्ता कंपनी है, जिसके पास दुनियाभर में 1.54 मिलियन से ज्यादा कर्मचारी हैं, जिनमें से लगभग 3.5 लाख कॉर्पोरेट स्टाफ हैं। गौरतलब है कि पिछले दो सालों से कंपनी लगातार कई विभागों जैसे कम्युनिकेशन, पॉडकास्टिंग, ऑपरेशंस और डिवाइसेस में छंटनी करती आ रही है। सूत्रों के मुताबिक इस बार की छंटनी उन विभागों को भी प्रभावित करेगी जो पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी, अमेज़न वेब सर्विसेज़ और इंटरनल ऑपरेशंस से जुड़े हैं। जानकारी यह भी सामने आई है कि सोमवार को कंपनी ने संबंधित टीमों के मैनेजर्स को एक विशेष ट्रेनिंग दी, ताकि वे ईमेल नोटिफिकेशन के बाद कर्मचारियों से सही तरीके से संवाद कर सकें।

शेयर बाजार में आईपीओ का बूम, 89 कंपनियों ने जुटाए 1.25 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। 89 कंपनियों ने इस साल आईपीओ से 1.25 लाख करोड़ रुपये जुटाए। नवंबर में लेंसकार्ट, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, ग्रो और बोट के बड़े इश्यू आने वाले हैं। घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस साल 89 कंपनियों ने आईपीओ बाजार से 1.25 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से अकेले अक्तूबर में 12 कंपनियों ने 38,300 करोड़ से ज्यादा की रकम जुटाई हैं। महीने का अंतिम इश्यू ओर्क्ला का होगा, जो 1,667 करोड़ का है। सेकंडरी बाजार में इस महीने अच्छी खासी तेजी रही और इसी आधार पर नवंबर में 40,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई गई है। स्टॉक एक्सचेंजों के मुताबिक, लेंसकार्ट का 7,700 करोड़ रुपये का आईपीओ नवंबर का पहला इश्यू होगा। नवंबर में जो बड़े आईपीओ आने वाले हैं उसमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल (10,000 करोड़), ग्रो (7,000 करोड़), बोट (2,000 करोड़) और पाइनलैब 5,800 करोड़ रुपये हैं। इनके अलावा फिजिक्सवाला 3,870 करोड़, प्रेस्टिज 2,500 करोड़ और पार्क मेडि भी इश्यू लाने की कतार में हैं। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, इस साल अक्तूबर और नवंबर में ही करीब 80,000 करोड़ रुपये जुटाए जाने की उम्मीद है। दिसंबर तक कुल दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम कंपनियां जुटा सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो यह अब तक का रिकॉर्ड होगा। आईपीओ के इतिहास में अब तक सबसे अधिक रकम पिछले साल 1.59 लाख करोड़ रुपये जुटाई गई थी। तब 91 कंपनियों की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। हालांकि, हाल के दिनों में अगर एलजी के इश्यू को छोड़ दें तो बड़े आईपीओ को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है। एलजी का 11,600 करोड़ का निर्गम 52 गुना से ज्यादा भरा था और शेयर भी 50 फीसदी से ज्यादा भाव पर लिस्ट हुआ था।

छोटी और मझोली यानी एसएमई कंपनियां भी पैसा जुटाने में पीछे नहीं हैं। इस साल जनवरी से अब तक इन्होंने बाजार से 9,449 करोड़ रुपये जुटाए। यह किसी भी साल में अब तक का रिकॉर्ड है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस के संयुक्त विकास हेतु समझौता किया

हैदराबाद, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई- एमआईसीईएल), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने घोषणा की है कि कंपनी ने चिपिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच एक सहयोगी ढांचा स्थापित करता है, जिसके तहत एमआईसी के उत्पाद रोडमैप के अनुरूप कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस का संयुक्त विकास किया जाएगा। इस साझेदारी के माध्यम से एमआईसी का उद्देश्य मानक कंपोनेंट्स के स्थान पर संयुक्त रूप से विकसित कस्टम सिलिकॉन का उपयोग करके उत्पादों की विशिष्टता, प्रदर्शन और दीर्घकालिक आपूर्ति स्थिरता को बढ़ाना है।कंपनी ने आगे बताया कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य चिपिक्स (चिप डेवलपमेंट पार्टनर) और एमआईसी (ओईएम पार्टनर) के बीच एक रणनीतिक और सहयोगी ढांचा बनाना है, ताकि दोनों पक्ष संयुक्त रूप से कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस की पहचान, परिभाषा, डिजाइन और विकास पर कार्य कर सकें, जो एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद रोडमैप का समर्थन और अनुपालन करता हो। इस सहयोग के माध्यम से दोनों कंपनियाँ अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और डोमेन अनुभव को मिलाकर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद पोर्टफोलियो की विशिष्ट प्रदर्शन, कार्यक्षमता और एकीकरण आवश्यकताओं के अनुसार सिलिकॉन समाधान तैयार करेंगी।संयुक्त रूप से विकसित कस्टम सिलिकॉन के उपयोग से, एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहता है ड्डस्वामित्वपूर्ण और अनुकूलित चिप आर्किटेक्चर के माध्यम से उत्पाद में अधिक भिन्नता।सभी एप्लीकेशन डोमेनों में बेहतर सिस्टम प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता।दीर्घकालिक आपूर्ति और डिजाइन स्वामित्व के माध्यम से वैश्विक बाजारों में स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता।हाल ही में, कंपनी के बोर्ड की प्रबंधन समिति की बैठक में यह नोट किया गया कि एम/एस एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी, दुबई (जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई है) ने एम/एस सेल्युलर गैलेक्सी इलेक्ट्रॉनिक्स एलएलसी, दुबई में लगभग 53.8 करोड़ रुपये का निवेश किया है, और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा इस निवेश की स्वीकृति और आवश्यक दस्तावेज जारी कर दिए गए हैं।इससे पहले, कंपनी ने सिंगापुर की इकाई टॉप2 पीटीई लिमिटेड के साथ भी एक समझौता ज्ञापन किया था, ताकि ताइवान में एक उपयुक्त सेमीकंडक्टर पार्टनर की पहचान और अंतिम चयन किया जा सके।

बोतल बनाते-बनाते बनाने लगी पेप्सी, अब शराब के धंधे में कूदी ये कंपनी; शेयरों में उछाल, मुनाफा बढ़कर हुआ 741 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
वरुण बेवरेजेज लिमिटेड का नाम तो आप सभी ने सुना होगा। शुरुआत में यह कंपनी अन्य कंपनियों के लिए बोतल बनाया करती थी। फिर धीरे-धीरे करके इस कंपनी ने पेप्सी के लिए कोल्ड ड्रिंक बनाने लगी। और अब इस कंपनी ने एलान किया है कि वह अब एल्कोहलिक ड्रिंक भी बनाएगी। यानी कंपनी अब शराब के बिजनेस में भी एंट्री कर चुकी है। ड्ढ्रुह्लह्ठ क्च्1द्गह्वड्डद्गह्य ने आज अपने नतीजे भी जारी किए। वरुण बेवरेजेज ने बुधवार, 29 अक्टूबर को कैलेंडर वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल 19.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की और यह 741 करोड़ रहा। पिछले साल इसी तिमाही में इसका नेट प्रॉफिट 619.6

करोड़ था। वीबीएल ने कुछ अफ्रीकी बाजारों के लिए कार्ल्सबर्ग अरीज॰/स् के साथ एक एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट साइन किया है। इस डील के जरिए, वीबीएल की कुछ अफ्रीकी सब्सिडियरी कंपनियों अपने इलाकों में कार्ल्सबर्ग बीयर का टेस्ट-मार्केटिंग करेंगी। कंपनी ने कहा कि यह कदम ग्लोबल मार्केट में रेडी-टू-ड्रिंक और दूसरे अल्कोहलिक बेवरेजेस की बढ़ती डिमांड के हिसाब से है। कंपनी इस पार्टनरशिप को सॉफ्ट ड्रिंक्स से आगे अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई करने के एक बड़े मौके के तौर पर देखती है, जिसमें भारत और विदेश दोनों जगह बीयर, वाइन, व्हिस्की, रम, वोदका और दूसरे अल्कोहलिक बेवरेजेस शामिल हैं।

बुधवार को बोर्ड ने कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के मेन ऑब्जेक्ट्स में अल्कोहलिक बेवरेज बिज़नेस को जोड़ने के प्लान को मंजूरी दे दी। एक बयान में कहा गया है, रेडी टू ड्रिंक और तरह-तरह के अल्कोहलिक बेवरेजेज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, वीबीएल को भारत और विदेश में किसी भी तरह के आरटीडी और अल्कोहलिक बेवरेजेज, जिसमें बीयर, वाइन, लिकर, ब्रांडी, व्हिस्की, जिन, रम, वोदका शामिल हैं, के बिजनेस में विस्तार का मौका दिख रहा है।

वीबीएल की कुछ अफ्रीकी सब्सिडियरी अब अपने इलाकों में बीयर मार्केट को टेस्ट करेंगी और उन्होंने अपने ब्रांड - कार्ल्सबर्ग के लिए कार्ल्सबर्ग ब्रुअरीज॰/स् के साथ एक एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट किया है।वरुण बेवरेजेज पेप्सिको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी में से एक है। यह कई तरह के कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स के साथ-साथ पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर समेत कई तरह के नॉन-कार्बोनेटेड बेवरेजेज भी डिस्ट्रीब्यूट करती है।

फूड और बेवरेज की बड़ी कंपनी पेप्सिको लिमिटेड के सबसे बड़े बॉटलिंग पार्टनर में से एक वरुण बेवरेजेज लिमिटेड ने बुधवार, 29 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए।

त्योहारी सीजन में जीएसटी बचत से बढ़ी कारों की बिक्री; लोगों ने अपग्रेड मॉडल और एसयूवी को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से जीएसटी दरों में कटौती का फायदा उठाते हुए लोगों ने त्योहारी सीजन में न सिर्फ जमकर कारें खरीदी, बल्कि छूट का इस्तेमाल बेहतर और अपग्रेड मॉडल के वाहन खरीदने में किया। बाजार अनुसंधान मंच स्मिटेनपल्स एआई की ओर से कराए गए अध्ययन से पता चलता है कि जीएसटी दरों मे कटौती की वजह से उन खरीदारों ने त्योहारों में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की खरीदारी की, जो पहले छोटी कारें खरीदने की योजना बना रहे थे।

इसके अलावा, बुनियादी ढांचे की कमियों के बावजूद पर्यावरण के प्रति जागरूकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों के रुझान में तेजी से वृद्धि का कारण रही। अध्ययन के मुताबिक, करीब 79 उत्तरदाताओं ने कहा, वे जीएसटी बचत का इस्तेमाल उच्च मॉडल, बेहतर ब्रांड या प्रीमियम ऐड-ऑन खरीदने में कर रहे हैं। वहीं, 60 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंदीदा ब्रांड के अपग्रेड मॉडल खरीदे।46 फीसदी लोगों ने हैचबैक की जगह एसयूवी जैसे बड़े आकार वाली कारें खरीदी। अध्ययन में कहा गया, जीएसटी कटौती से त्योहारों में वाहनों की मांग को रफ्तार मिली। ग्राहकों ने कर कटौती से वाहनों की कीमतों में आई गिरावट का फायदा उठाने के बजाय कहीं प्रीमियम कारें खरीदने पर जोर दिया। इससे त्योहारी सीजन में एसयूवी की बिक्री सबसे अधिक रही। जीएसटी कटौती के बाद कार खरीदारी के व्यवहार पर किया गया यह अध्ययन देश के बड़े, मझोले और छोटे शहरों के 5,000 से अधिक लोगों से बातचीत पर आधारित है।

अध्ययन में दावा किया गया है कि पर्यावरण को लेकर जागरूकता के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) को लेकर भी दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। 67 फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा, बैटरी बदलने की ऊंची लागत और अन्य चिंताओं के बावजूद वे ईवी खरीदना चाहते हैं।स्मिटेनपल्स एआई के सह-संस्थापक स्वागत सारंगी ने कहा, जीएसटी दरों में कटौती ने कारों को किफायती बनाने से कहीं अधिक भूमिका निभाई है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया पहला टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा

केवल 58 गेंदों का खेल हुआ, इंडिया ने एक विकेट पर 97 रन बने थे

कैनबरा (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा है। कैनबरा में बुधवार को बार-बार हो रही बारिश के कारण दो बार खेल रोकना पड़ा है। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न पर खेला जाएगा। आखिरी बार जब खेल रोका गया था, तब तक भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल 39 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 39 रन पर नाबाद रहे। अभिषेक शर्मा 19 रन बनाकर आउट हुए।

प्लेइंग-11

- **भारत**- अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।
- **ऑस्ट्रेलिया**- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप, मार्कस स्टोयनिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन, जोश हेजलवुड।

2 छक्के लगाकर सूर्यकुमार यादव ने बना डाला बड़ा रिकॉर्ड, रोहित शर्मा की कर ली बराबरी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत हो गई है। इस सीरीद के पहले ही मुकाबले में टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक दमदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 150 छक्कों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह खास मुकाम हासिल करने वाले वह रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।सूर्यकुमार यादव ने यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैनबरा के मनुका ओवल में खेले गए पहले टी20 मैच के दौरान अपने नाम किया। जैसे ही उन्होंने मैच में अपना दूसरा छक्का जड़ा, वह 150 छक्कों के खास क्लब में शामिल हो गए। इस लिस्ट में शामिल होना सूर्या के लिए काफी बड़ी बात है।

ऐसा करने वाले विश्व के पांचवें बल्लेबाज - यह खास मुकाम हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव दुनिया भर के सिर्फ पांचवें बल्लेबाज हैं। वह इस लिस्ट में शामिल होने वाले सबसे तेज बल्लेबाजों में से एक हैं। आंकड़ों पर एक नजर डालें तो, टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 205 छक्के लगाए हैं। सूर्यकुमार के अलावा, इस क्लब में शामिल अन्य प्रमुख बल्लेबाज हैं।

मोहम्मद वसीम (यूएई)- 183 छक्के
मार्टिन गप्टिल (न्यूजीलैंड)- 173 छक्के
जोस बटलर (इंग्लैंड)- 172 छक्के

भारत की ओर से रोहित और सूर्यकुमार के बाद विराट कोहली (124 छक्के) एकमात्र ऐसे अन्य बल्लेबाज हैं जिन्होंने 100 से ज्यादा टी-20 छक्के लगाए हैं।

शानदार टी-20 करियर - सूर्यकुमार यादव का टी-20 करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। अपने 91वें टी-20 मैच (86 पारियों) तक, उन्होंने 2,650 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनका औसत 37 से अधिक है और उनका तूफानी स्ट्राइक रेट 165 से अधिक है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। इस दौरान उन्होंने 21 अर्धशतक और चार शानदार शतक भी जड़े हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन है। एक और रिकॉर्ड यह है कि वह टी-20 में चार अलग-अलग देशों (दक्षिण अफीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और भारत) में शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

रोहित शर्मा पहली बार बने नंबर-1 वनडे बल्लेबाज

आईसीसी वनडे रैंकिंग के सबसे उम्रदराज टॉपर, शुभमन गिल तीसरे नंबर पर फिसले

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा करियर में पहली बार दुनिया के नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की। इससे पहले शुभमन गिल नंबर-1 थे। रोहित 781 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचे हैं।

38 साल, 182 दिन के रोहित वनडे रैंकिंग के सबसे उम्रदराज नंबर-1 भी बने हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर (38 साल, 73 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में शतकीय पारी खेली थी और भारत को जीत दिलाई थी। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज में 101 की औसत से 202 रन बनाए थे।

- **रोहित वनडे में टॉप पर पहुंचने वाले 5वें भारतीय** - रोहित शर्मा भारत के पांचवें ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने वनडे रैंकिंग में नंबर-1 रैंक हासिल की है। रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, विराट कोहली और शुभमन गिल टॉप पर पहुंच चुके हैं।
- **कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ** - विराट कोहली ने तीसरे वनडे में 74 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। अब वह 725 रेटिंग अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर ने एडिलेड ओवल में खेले गए दूसरे वनडे में भारत के लिए अर्धशतक लगाया और वह एक स्थान ऊपर (10वें से 9वें) पहुंच गए हैं।
- **राशिद खान टॉप वनडे बॉलर** - वनडे बॉलिंग रैंकिंग में जोश हेजलवुड दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, लेकिन भारत के कुलदीप यादव छठे से सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। स्पिनर एडम जम्पा ने दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे में चार विकेट लिए और वह भी दो पायदान ऊपर (अब 12वें स्थान पर) पहुंच गए हैं। वहीं, अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं।

भारत को वर्ल्ड चैंपियन बना सकती हैं ये चार लड़कियां

स्मृति मंधाना टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर, दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा विकेट लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 5वीं बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इंडिया विमेंस टीम ने चौथे नंबर पर रहकर लीग राउंड फिनिश किया। अब 30 अक्टूबर को टीम का सामना 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा।

प्लेयर-1- स्मृति मंधाना - टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालीं स्मृति मंधाना 2025 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आईं। उन्होंने इस साल 64.65 की औसत 1293 रन बनाए। इनमें 5 शतक और 5 फिफ्टी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो उन्होंने इस साल पिछले 4 मैचों में 2 शतक और 2 फिफ्टी लगा दीं। अब सेमीफाइनल में फिर एक बार भारत को ऑस्ट्रेलिया से ही भिड़ना है, ऐसे में मंधाना ने अगर अच्छी शुरुआत दिलाई तो टीम फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद कर सकती है।बाएं हाथ की इस बल्लेबाज पर पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी है। स्मृति ने इसे बखूबी निभाया। उन्होंने पहले मैच को छोड़कर सभी पारियों में 20 से ज्यादा रन बनाए। इतना ही नहीं, 4 दफा 50 से ज्यादा रन की ओपनिंग साझेदारी भी की।

2. ऋचा घोष - बंगाल की 22 साल की बैटर ऋचा ने 6 मैचों में 175 रन बनाए हैं। उन्होंने 43.75 की एवरेज और 128.67 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। वे 2 बार नॉटआउट रहीं। ऋचा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वाइजैग में 94 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इतना ही नहीं, विकेट के पीछे दो बल्लेबाजों को कैच भी किया।विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को फिनिशर पोजिशन पर बल्लेबाजी का रोल मिला। ऋचा का काम आखिरी 10-15 ओवर में बड़े-बड़े शॉट्स खेलकर भारत के स्कोर को तेजी से बढ़ाने का रहता है। वे अपने करियर में इस काम को बखूबी निभाते आईं, लेकिन टूर्नामेंट में उन्हें ज्यादा पारियां खेलने का मौका नहीं मिला।

3. दीप्ति शर्मा - आगरा की रहने वाली लेफ्ट हैंड ऑलराउंडर ने बैट और बॉल दोनों से टूर्नामेंट में योगदान दिया। 28 साल की दीप्ति ने 7 में से 5 मैचों में बल्लेबाजी की। उन्होंने 2 फिफ्टी के सहारे 133 रन बनाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में 15 विकेट भी झटके। वे इस टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर में ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के साथ टॉप पर हैं।दीप्ति पर मिडिल ऑर्डर की बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी है। दोनों ही मोर्चों पर दीप्ति ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। वे मिडिल ऑर्डर में ऋचा घोष के साथ अहम रन बना रही हैं। साथ ही जरूरत पड़ने पर टीम को विकेट भी दिलाती हैं।

4. श्री चरणी - आंध्र प्रदेश की श्री चरणी इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होंने 7 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। वे महज 4.91 की इकोनॉमी से रन खर्च करती हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में उन्होंने महज 41 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्हें अगर दूसरे एंड से साथ मिलता तो टीम इंडिया जीत भी सकती थी।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज में बेहतरीन गेंदबाजी की। भारतीय टीम 331 रन का टारगेट डिफेंड कर रही थी। इस मुकाबले में श्री चरणी ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, ओपनर फीबी लिचफील्ड और एनाबेल सदरलैंड को पवेलियन की राह दिखाई थी।

टीम इस प्रकार हैं

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया - एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), एलिस पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, सोफी मोलिनक्स, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन स्कुट, जॉर्जिया वेयरहैम।

समय - दोपहर 3:00 बजे से।

आज हरमनप्रीत को खेलनी होगी 8 साल पहले जैसी जादुई पारी

भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने वाली भारतीय टीम को महिला वनडे विश्व कप के गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा और उसे उम्मीद रहेगी कि कप्तान हरमनप्रीत कौर आठ साल पहले खेली गई जादुई पारी जैसा करिश्मा दिखाने में सफल रहेगी। हरमनप्रीत की 2017 में इंग्लैंड के डर्बी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 115 गेंदों में नाबाद 171 रन की पारी एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने महिला क्रिकेट को सुर्खियों में ला दिया था। सात बार के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर जीत से न केवल भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि आईसीसी खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को भी पंख लग जाएंगे। भारतीय टीम के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है और उसके पास ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को पराजित करने का यह सुनहरा मौका है लेकिन इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वर्तमान विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। पहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी की और सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। लेकिन इस दौरान प्रतीका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई जो भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में चल रही थी। अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि भारत अब उन सभी प्रतिद्वंद्वियों के साथ सेमीफाइनल में है जिन्होंने लीग मुकाबलों में उसे पराजित किया था। लेकिन मैदान पर उतरने से पहले भारत को अपनी टीम संयोजन को लेकर कुछ सबसे प्रासंगिक सवालों का सामना करना पड़ेगा। बड़े शॉट लगाने वाली शेफाली वर्मा को टीम में शामिल करना आग में घी डालने जैसा है क्योंकि वह भारतीय योजना का हिस्सा नहीं थी और यही वजह थी कि वह भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल नहीं थी। उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उनका रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से कमतर दिखता है। क्या भारत को शेफाली को चुनना चाहिए, जिनकी आक्रामक शैली विरोधियों पर दबाव बना सकती है और मंधाना के शानदार फॉर्म की बराबरी कर सकती है।

पेरिस मास्टर्स 2025

बाहर हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज, कैमरन नॉरी ने पलटा मैच का रुख

पेरिस (एजेंसी)। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को पेरिस मास्टर्स 2025 के दूसरे दौर में बड़ा झटका लगा। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (रैंक 31) ने उन्हें तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। इस हार के साथ अल्काराज का मास्टर्स 1000 में 17 मैचों का जीत का सिलसिला थम गया।

लय में नहीं दिखे अल्काराज - शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज पूरे मैच के दौरान अपनी लय पाने के लिए जूझते रहे। उन्होंने 54 अनफोर्स्ड एरर किए और कोर्ट की परिस्थितियों से भी असहज नजर आए। दूसरे सेट के दौरान वे अपने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से बार-बार बातचीत करते दिखाई दिए। जीत के बाद उत्साहित नॉरी ने कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के नंबर-1 और इस समय के सबसे आत्मविश्वासी खिलाड़ी को हराना मेरे लिए अविश्वसनीय अनुभव है। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, भावनात्मक रूप से यह मेरे लिए साल के सबसे खराब मैचों में से एक था। मियामी में हार शारीरिक समस्या के कारण थी, लेकिन इस बार मुझे किसी भी पल गेंद का एहसास नहीं हो रहा था।

रैंकिंग पर असर - ओलंपिक रजत पदक विजेता अल्काराज के 11,340 अंक थे, जो अब घटकर 11,240 रह गए हैं। वहीं इटली के जैनिक सिनर 10,510 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। लगातार 44 हफ्तों से नंबर-1 पर काबिज अल्काराज अब ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां उन्हें खोए हुए अंक वापस पाने का मौका मिलेगा।

तुर्की की फुटबॉल लीग के सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की जांच के घेरे में

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष इब्राहिम हासियोसमानोग्लू ने कहा कि तुर्की की पेशेवर फुटबॉल लीग में काम करने वाले सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। इस्तांबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हासियोसमानोग्लू ने कहा कि उन्हें दंड के लिए अनुशासन समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों से समर्थित एक आंतरिक जांच से पता चला है कि 571 सक्रिय रेफरियों में से 371 के पास सट्टेबाजी के खाते थे।

उन्होंने आगे कहा, राज्य संस्थानों से प्राप्त आंकड़ों और हमारी पेशेवर टीम के काम के अनुसार यह पाया गया कि पेशेवर लीगों में 571 सक्रिय रेफरी में से 371 के पास सट्टेबाजी खाते हैं। इनमें से 152 सक्रिय रूप से सट्टेबाजी करते पाए गए। इस सूची में सात शीर्ष-श्रेणी के रेफरी, 15 शीर्ष-श्रेणी के सहायक रेफरी, 36 उच्च-श्रेणी के रेफरी और 94 उच्च-श्रेणी के सहायक रेफरी शामिल हैं।

हसिओसमानोग्लू ने कहा कि 10 रेफरी ने 10,000 से ज्यादा दांव लगाए, एक रेफरी ने अकेले 18,227 दांव लगाए, और 42 रेफरी ने 1,000 से ज्यादा फुटबॉल मैचों पर दांव लगाया। हालांकि कुछ रेफरी केवल एक बार ही दांव लगाते पाए गए। उन्होंने कहा, आज से हमारा अनुशासन बोर्ड आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्हें जल्द ही बोड के पास भेजा जाएगा और हमारे नियमों के अनुसार दंडित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महासंघ ने अपने निष्कर्षों को फीफा और यूईएफए के साथ साझा किया है। टीएफएफ अध्यक्ष ने बताया कि समीक्षा में रेफरी से आगे बढ़कर महासंघ के सदस्यों को भी शामिल किया गया।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड से दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता

सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई, मिचेल-रचिन रवींद्र के अर्धशतक

हैमिल्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ कीवी टीम तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। बुधवार को हैमिल्टन में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम 36 ओवर में 175 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने 176 रन का टारगेट 33.1 में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।डेरिल मिचेल ने नाबाद 56 रन बनाए। रचिन रवींद्र ने 54 रनों की पारी खेली। कप्तान मिचेल सैंटनर ने महज 17 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

इंग्लैंड की खराब शुरुआत - पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। उसका पहला विकेट 3 के स्कोर पर गिर गया। ओपनर बेन डकेट ने 5 गेंदों का सामना कर 1 रन बनाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 30 रन से ऊपर की पार्टनरशिप एक ही हुई। सातवें विकेट के लिए जेमी ओवरटन और सैम करन के बीच 32 गेंदों पर 38 रन की पार्टनरशिप हुई। ओवरटन ने सबसे ज्यादा 28 गेंदों पर 42 रन बनाए। वहीं कप्तान हैरी ब्रूक ने 34 गेंदों पर 34 रन की पारी खेली।

- **ब्लेयर टिकनर ने 4 विकेट लिए** - न्यूजीलैंड की ओर से ब्लेयर टिकनर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 8 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं नाथन स्मिथ ने 5 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए।
- **1 नवंबर को होगा आखिरी मुकाबला** - दूसरा मैच 5 विकेट से जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया। न्यूजीलैंड ने पहला मुकाबला भी 4 विकेट से अपने नाम किया था। अब सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 1 नवंबर को वेलिंगटन के मैदान पर खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 55 रन से हराया

टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई, बाबर आजम बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे

रावलपिंडी (एजेंसी)। रावलपिंडी में खेले गए पहले टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 55 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18.1 ओवर में ही 139 रन पर सिमट गई।इसके साथ ही साउथ अफ्रीका रावलपिंडी में पहले बल्लेबाजी करते हुए जीत दर्ज करने वाली पहली विदेशी टीम बन गई। टीम की जीत में रीजा हेंड्रिक्स (60 रन) और कॉर्बिन बॉश (4 विकेट) ने अहम भूमिका निभाई।

साउथ अफ्रीका ने पावर प्ले में 74 रन बनाए - टॉस जीतकर पाकिस्तान के कप्तान ने पहले फील्डिंग का फैसला किया। साउथ अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ओपनर रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डी कॉक ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। टीम ने 28 गेंदों में ही 50 रन पूरे कर लिए और पावरप्ले में एक विकेट खोकर 74 रन बना लिए।

54 गेंदों में साउथ अफ्रीका ने 100 रन का आंकड़ा छू लिया। रीजा हेंड्रिक्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। वहीं, टोनी डी ज़ोरजी ने 16 गेंदों पर तेजी से 33 रन बनाए। अंत में जॉर्ज लिंडे ने 22 गेंदों पर 36 रन की तेज पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 20 ओवर में 9 विकेट पर 194 रन तक पहुंचा दिया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों का औसत प्रदर्शन - पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद नवाज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट झटके। सईम अयूब ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं अबरार अहमद, नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी को 1-1 विकेट मिला।

बाबर आजम बिना खाता खोले लौट गए - 195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शाहिबजादा फरहान और सईम अयूब ने पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान बाबर आजम केवल 2 गेंद खेलकर बिना खाता खोले आउट हो गए। यह मैच बाबर की लगभग एक साल बाद टी-20 टीम में वापसी का था। टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन सईम अयूब ने बनाए। उन्होंने 28 गेंदों में 37 रन की पारी खेली। मोहम्मद नवाज ने 20 गेंदों पर 36 रन जोड़े, लेकिन बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे और पाकिस्तान की पूरी टीम 18.1 ओवर में 139 रन पर सिमट गई।

कॉर्बिन बॉश ने लिए चार विकेट - साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने 4 विकेट अपने नाम किए, जबकि जॉर्ज लिंडे ने 3 विकेट झटके। लिजाड विलियम्स ने 2 और लुंगी एनगीडी ने 1 विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी को समेट दिया।

सत्यनारायण की कथा के रहस्य

हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा क्या है और क्या है इसका रहस्य।

- भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है।
- सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है।
- सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ।
- इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना।
- यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है।
- सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है।
- सत्यनारायण कथा के अलग-अलग अध्यायों में छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है कि सत्य का पालन न करने पर किस प्रकार की समस्या आती है और किस प्रकार प्रभु नाराज होकर दंड देते हैं या प्रसन्न होकर पुरस्कार देते हैं यह इस कथा का केंद्र बिंदु है।
- सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है।
- विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं।
- इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है।

तुलसी विवाह पर मां तुलसी के पास कितने दीये जलाएं?

जानें सही नियम, घर में होगा सुख-समृद्धि का वास

कार्तिक मास में तुलसी विवाह के दिन दीये जलाने के विशेष नियम बताए गए हैं, जिसमें घी या तिल के तेल का प्रयोग अनिवार्य है। इस दिन तुलसी के पास सुबह-शाम दीये जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और दांपत्य जीवन में प्रेम व स्थिरता आती है, साथ ही शीघ्र विवाह के इच्छुक लोगों को भी लाभ मिलता है।

कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी के बाद द्वादशी के दिन तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाता है। तुलसी विवाह वाले दिन माता तुलसी का विवाह भगवान शालिग्राम से कराया जाता है। इस दिन दीया जलाना बेहद शुभ माना जाता है। दीया की रोशनी अंधकार को दूर करता ही है इसके साथ ही शुभता भी लेकर आता है। खासतौर पर इस दिन तुलसी के पास दीया जलाना काफी शुभ माना जाता है। दीया जलाने के कुछ विशेष नियम और लाभ है, जिनका पालन करने से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास होता है। आइए आपको बताते हैं कितने दीये जलाना सुभ होता है।

तुलसी विवाह वाले दिन पूजा के दौरान गाय के शुद्ध घी का एक दीपक मां तुलसी के पौधे के पास जरुर रखें। यह दीपक प्रदोष काल में जलाया जाता है और यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में सकारात्मकता आती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन 5 दीपक जलाना काफी शुभ होते हैं। यह 5 दीये पंच तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधत्व करता है। इन दीयों को तुलसी के पौधे के चारों ओर या मुख्य रूप से तुलसी के गमले के पास रखें। ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का घर में वास होता है और वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है।

इसके अलावा, अपनी श्रद्धा के अनुसार 11, 21, 51 या 108 दीया भी जला सकते हैं। अगर आप ज्यादा दीये जला रहे हैं, तो तुलसी के गमले के पास रंगोली जरुर बनाएं।

तुलसी के पास दीया जलाने के कुछ नियम

तुलसी मां के पास दीये जलाने के कुछ नियम है, जिनका पालन जरुर करें। घी या तिल के तेल का दीपक जरुर जलाएं। सरसों का तेल प्रयोग तुलसी मां के पास नहीं करना चाहिए। तुलसी विवाह वाले दिन मां तुलसी के पास सुबह और शाम को दोनों समय दीया जलाएं। दीया तुलसी के पौधे के ठीक सामने या तुलसी के गमले के पास किसी स्वच्छ और पवित्र स्थान पर जलाएं। भूलकर भी दीया को तुलसी के पीछे न रखें।

तुलसी विवाह के दिन दीया जलाने के लाभ

धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी विवाह वाले दिन दीया जलाने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों प्रसन्न होते हैं जिससे घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती और दरिद्रता दूर होती है। तुलसी विवाह के दिन दीया जलाकर माता तुलसी और शालिग्राम जी से प्रार्थना करने पर विवाह में आ रही सभी बाधाएं दूर होती हैं। यह उपाय उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो शीघ्र विवाह या मनचाहा जीवनसाथी चाहते हैं।

दांपत्य जीवन में प्रेम बना रहता है

इस दिन मां तुलसी के समक्ष विवाहित जोड़ों को घी का दीया जलाना चाहिए। ऐसा करने से उनके दांपत्य जीवन में प्रेम, स्थिरता और मधुरता आती है। वहीं, पति-पत्नी के बीच मनमुटाव समाप्त हो जाता है और गृहस्थ जीवन भी सुखमय बन जाता है।

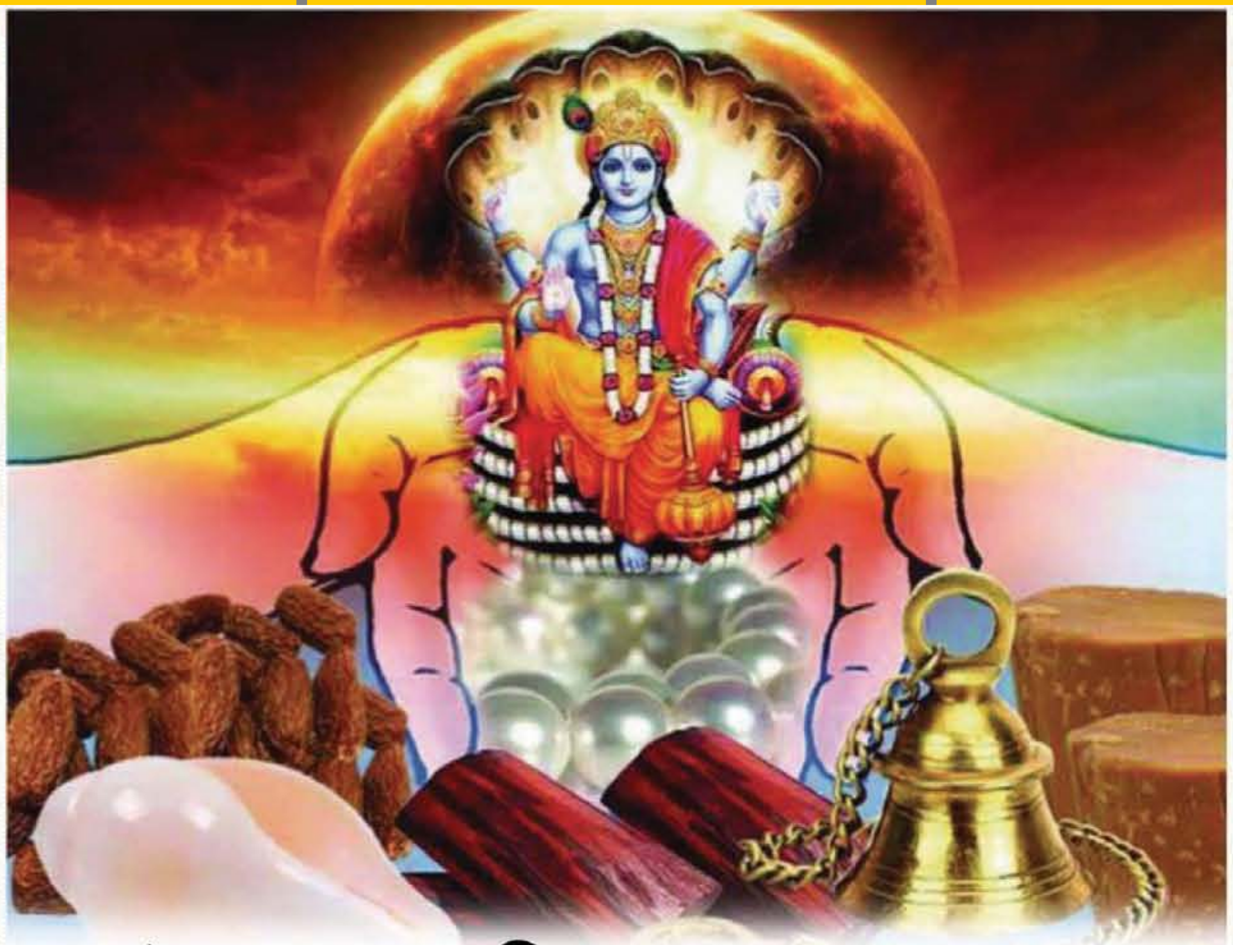

क्यों करना चाहिए दान

दान के प्रकार महत्व और मुहूर्त

हिन्दू धर्म में 10 कर्तव्यों को बताया गया है- 1.ईश्वर प्राणिधान, 2. संध्या वंदन, 3.श्रावण माह व्रत, 4. तीर्थ चार धाम, 5.दान, 6.मकर संक्रांति-कुंभ पर्व, 7.पंच यज्ञ, 8. सेवा कार्य, 9.16 संस्कार और 10. धर्म प्रचार। यहां हम जानते हैं दान के प्रकार, महत्व और मुहूर्त को।

दान के प्रकार

- वेदों में तीन प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3.निकृष्ट। धर्म की उन्नति रूप सत्यविद्या के लिए जो देता है वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है तो वह मध्यम और जो वेश्यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को निष्प्रयोजन जो देता वह निकृष्ट माना गया है।
- पुराणों में अनेकों दानों का उल्लेख मिलता है। जैसे गौ दान, छाता दान, जुते-चप्पल दान, पलंग दान, कंबल दान, सिरहाना दान, दर्पण कंघा दान, टोपी दान, औषध दान, भूमिदान, भवन दान, धान्य दान, तिलदान, वस्त्र दान, स्वर्ण दान, घृत दान, लवण दान, गुड़ दान, रजन दान, अन्नदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान। इनमें से मुख्य है- 1.अन्न दान, 2.वस्त्र दान, 3.औषध दान, 4.ज्ञान दान एवं 5.अभयदान।
- कुछ दान ऐसे भी होते हैं जो किसी व्यक्ति विशेष को नहीं दिए जाते हैं। जैसे दीपदान, छायादान, श्रमदान आदि।
- मुख्यत: दान दो प्रकार के होते हैं- एक माया के निमित्त किया गया दान और दूसरा भगवान के निमित्त किया गया दान। पहले दान में स्वार्थ होता है और दूसरे दान में भक्ति।

दान का महत्व

- वेद और पुराणों में दान के महत्व का वर्णन किया गया है।दान से इंद्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। मृत्यु आए इससे पूर्व सारी गांठे खोलना जरूरी है, जो जीवन की आपाधापी के चलते बंध गई है। दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है।
- किसी भी वस्तु का दान करते रहने से विचार और मन में खुलापन आता है। आसक्ति (मोह) कमजोर पड़ती है, जो शरीर छुटने या मुक्त होने में जरूरी भूमिका निभाती है। हर तरह के लगाव और भाव को छोड़ने की शुरुआत दान और क्षमा से ही होती है। दानशील व्यक्ति से किसी भी प्रकार का रोग या शोक भी नहीं चिपकता है। बुढ़ापे में मृत्यु सरल हो, वैराग्य हो इसका यह श्रेष्ठ उपाय है और इसे पुण्य भी माना गया है।
- दान देना एक पुण्य कर्म है। माना जाता है कि दान करने से मनुष्य का इस लोक के बाद परलोक में भी कल्याण होता है। दान देने से मनुष्य को सद्गति मिलती है।
- दान करने से जीवन की तमाम परेशानियों का अंत खुद-ब-खुद होने लगता है। दान करने से कर्म सुधरते हैं और अगर कर्म सुधर जाएं तो भाग्य संवरते देर नहीं लगती है।
- हमारे शास्त्रों में ऋषि दधीचि का वर्णन है जिन्होंने अपनी हडि्डयां तक दान में दे दी थीं, कर्ण का वर्णन है जिसने अपने अंतिम समय में भी अपना स्वर्ण दंत याचक को दान दे दिया था।
- दान एक हाथ से देने पर अनेक हाथों से लौटकर हमारे ही पास वापस आता। बस, शर्त यह है कि दान नि:स्वार्थ भाव से श्रद्धापूर्वक समाज की भलाई के लिए किया जाए।
- दान करने से सभी तरह के दैहिक, मानसिक और आत्मिक ताप मिट जाते हैं।
- दान करने से ग्रहदोष, नक्षत्रदोष, पितृदोष, मंगलदोष, कालसर्पदोष आदि सभी तरह के दोष मिट जाते हैं।
- जरूरतमंद व्यक्ति को दान देने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- दान करने से घर परिवार में किसी भी प्रकार का संकट नहीं आता है और सुख समृद्धि बनी रहती है।

दान देने का समय और मुहूर्त

- यदि कोई याचक आपके द्वार पर आए तो दान दें।
- यदि कोई अतिथि आपके घर आए तो उसे दान दें।
- यदि मंदिर में जाएं तो दान दें।
- यदि किसी तीर्थ क्षेत्र में जाएं तो दान दें।
- यदि कोई श्राद्ध कर्म करें तो दान दें।
- यदि कोई संक्रांति पर्व हो तो दान दें।
- यदि परिवार में किसी को धन, वस्तु या अन्न की आवश्यकता हो तो दान दें।
- यदि देश, समाज और धर्म पर किसी भी प्रकार का संकट आया हो तो दान दें।
- वद्यालय, चिकित्सालय, गौशाला, आश्रम, मंदिर, तीर्थ और धर्म के निमित्त दान दें।
- सभी पर्वों और तीर्थों में दान करने के शुभ मुहूर्त होते हैं। उन्हें जानकर ही दान दें।

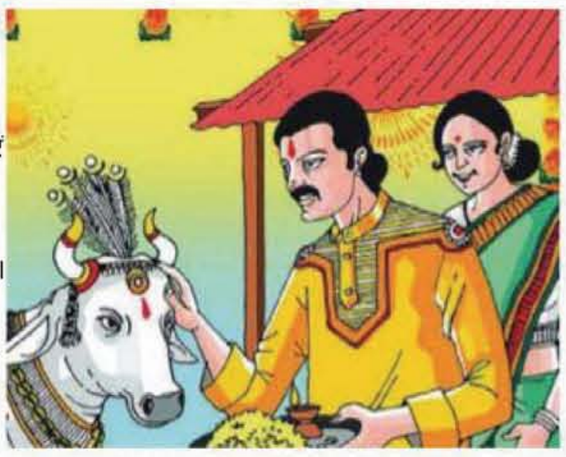

ऐसे करें श्रीयंत्र के सामने आराधना

श्री यंत्र भगवती त्रिपुर सुंदरी का विश्व विख्यात यंत्र है। इसे यंत्र राज भी कहा गया है। इस यंत्र में ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास का दर्शन होता है। यह यंत्र व्यापारिक समस्या, आर्थिक उन्नति भौतिक सुख के लिए अचूक उपाय है।

जैन शास्त्रों में भी श्रीयंत्र की प्रशंसा के गुणगान किए गए हैं। श्रीयंत्रों में कई शक्तियों का वास होता है। जब श्रीयंत्र सिद्ध कर लें तो उसे घर की उत्तरी दीवार पर दक्षिण मुख में स्थापित करें। नवरात्र में सिद्ध किए गए श्री यंत्र को व्यक्ति अपनी हर मनोकामना को पूरा करने के लिए श्री यंत्र के सामने श्री सूक्त का पाठ करें। या ऊं ह्रीं श्रीं श्रीकमले कमलालये प्रसीद प्रसीद। श्रीं ह्रीं श्रीं ऊं महालक्ष्मै नम: का 27, 54 108 बार जप करें। ऐसा करने पर आपकी मनोकामना जरूर पूरी होगी।

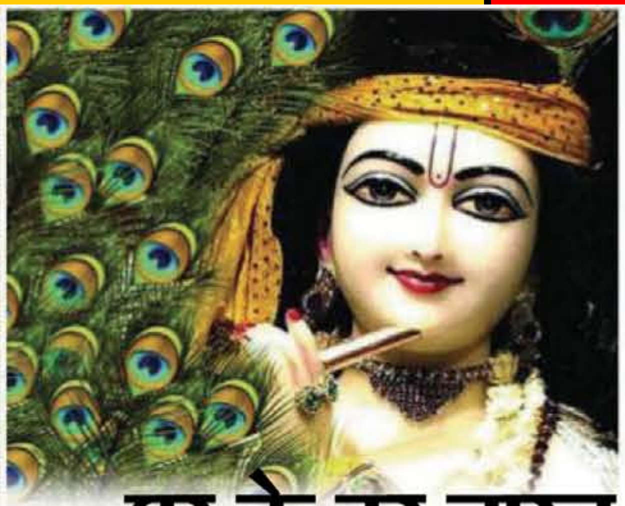

घर के हर वास्तु दोष को करता है दूर मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नम: जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

एक दीवाने की दीवानियत के बाद अब एक्शन अवतार में दिखेंगे हर्षवर्धन राणे? पोस्ट साझा कर खुद की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के लिए खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब खबर है कि अभिनेता डायरेक्टर मिलाप जवेरी के साथ काम करने जा रहे हैं। यह नया प्रोजेक्ट एक हाई-एनर्जी मास एंटरटेनर बताया जा रहा है, जो दोनों की जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आएगी

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया साझा

सोशल मीडिया पर हर्षवर्धन राणे ने अपनी तस्वीर साझा करते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मुझे मिलाप सर की स्क्रिप्ट पर पूरा भरोसा है, अगर वो मुझे कोई कहानी देंगे, तो मैं बिना सोचे साइन कर दूंगा। इस पर डायरेक्टर मिलाप जवेरी ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा, मैंने तो ऑफर दे दिया है मेरे दोस्त! और जवाब तो 'हां' ही रहेगा, वो भी पक्की वाली। दोनों की कमेंट सेक्शन में इस बातचीत के बाद अब इसे एक्टर की तरफ से फिल्म की घोषणा बताया जा रहा है जिसका नाम मेसी हो सकता है।

'एक दीवाने की दीवानियत' के बाद फिर साथ आएंगे दोनों

'एक दीवाने की दीवानियत' में हर्षवर्धन राणे के इमोशनल किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा था। फिल्म की सफलता के बाद मिलाप जवेरी और राणे की जोड़ी एक बार फिर साथ काम करने जा रही है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म एक्शन, इमोशन और देसी तड़के से भरपूर होगी, बिल्कुल वैसी ही जैसी मिलाप की पिछली फिल्मों की पहचान रही है।

गैंगस्टर ड्रामा और 'सिला' भी हैं लाइन में

मिलाप जवेरी के प्रोजेक्ट के अलावा, हर्षवर्धन राणे कई और बड़े प्रोजेक्ट्स में भी बिजी हैं। खबर है कि उन्हें एकता कपूर की आने वाली गैंगस्टर ड्रामा फिल्म के लिए भी एप्रोच किया गया है। यह फिल्म एक क्राइम थ्रिलर यूनिवर्स की तरह बनाई जा रही है, जिसमें जबरदस्त एक्शन और ग्रे शेड वाले किरदार दिखेंगे। माना जा रहा है कि राणे इस फिल्म में एक गहरे और जटिल किरदार में नजर आएंगे, जो उनके करियर का नया टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

इसके अलावा, हर्षवर्धन ने हाल ही में निर्देशक ओमंग कुमार की फिल्म 'सिला' की शूटिंग पूरी की है। यह फिल्म वियतनाम में शूट की गई और इसमें उनके साथ अभिनेत्री सादिया खातिब नजर आएंगी। ओमंग कुमार के निर्देशन में यह फिल्म भावनात्मक और रहस्यमयी कहानी पर आधारित बताई जा रही है।

'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी आने वाला है

फैंस के लिए खुशखबरी यह भी है कि 2016 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी तैयार हो रहा है।

'थामा' की सफलता पर गदगद हुए आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी फिल्म 'थामा' से चर्चा में हैं, जिसे दर्शकों द्वारा अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता पर अपनी राय व्यक्त की है। रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत 'थामा' इन दिनों सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। हाल ही में अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता को लेकर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही थामा में अपने किरदार के बारे में भी बताया है। चलिए जानते हैं क्या बोले आयुष्मान खुराना।

'मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म है'

अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बात की। उन्होंने कहा, 'मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स हिंदी सिनेमा का सबसे सफल यूनिवर्स है। ओपनिंग कमाई के मामले में 'थामा' दूसरे नंबर पर है। यह मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग है और मुझे उम्मीद है कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म भी बनेगी।'

फिल्म में अपने किरदार के बारे में की बात

आगे बात करते हुए अभिनेता से सवाल किया गया कि उन्हें इस फिल्म में किस चीज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में पहली बार मैंने अपने पुराने किरदारों से हटकर रोल किया है। इसमें मैंने वैंपायर या सुपरहीरो जैसी भूमिका की है। इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं इस यूनिवर्स का बहुत बड़ा फैन हूं और जो मैं पर्दे पर देखना चाहता हूं, उसी को करना चाहता हूं।'

फिल्म थामा के बारे में

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा 'थामा' दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। यह फिल्म 2025 की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है, जिसने मात्र एक हफ्ते में 100 करोड़ क्लब में जगह बना ली है। दर्शक फिल्म के रोमांचक ट्विस्ट और मनोरंजन भरे डर को खूब एंजॉय कर रहे हैं।

इमरान हाशमी ने अपनी फिल्म 'हक' पर की बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी आगामी फिल्म हक के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने उसकी कहानी पर प्रकाश डाला। चलिए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा।

इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म की कहानी शाह बानो बेगम केस पर आधारित है। अभिनेता ने अपनी फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए हैं। साथ ही फिल्म के मुद्दे पर भी बात की। आइए जानते हैं इमरान हाशमी से हुई बातचीत के बारे में।

'यह एक ऐतिहासिक मामला था'

अभिनेता इमरान हाशमी ने एएनआई से बात की और अपनी आगामी फिल्म हक की कहानी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'यह 1985 के उस मामले से प्रेरित है जिसमें अहमद खान ने शाह बानो को तलाक दिया था। यह एक ऐतिहासिक मामला था। उस समय, कोई नहीं जानता था कि शाह बानो कई महिलाओं और आने वाली पीढ़ियों के लिए लड़ रही थीं। इस फिल्म में, हमने इस मामले को निष्पक्ष तरीके से दिखाया है।'

मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है: आगे बातचीत में इमरान हाशमी से हिंदू-मुस्लिम में तनाव को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, एक लिबरल मुस्लिम होने के नाते, मुझे इस फिल्म के दृष्टिकोण से कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम किसी समुदाय को बदनाम नहीं कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा, मैंने परवीन से शादी की है, जो एक हिंदू हैं। मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है। मेरी मां ईसाई हैं। मेरी परवरिश धर्मनिरपेक्षता में हुई है, इसलिए मैं इस फिल्म को उसी नजरिए से देख रहा हूं। अब लोगों की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसके बारे में मैं नहीं सोच रहा।

एक्ट्रेस तान्या राजकुमार राव संग मिलकर खोलेंगी

शिक्षा व्यवस्था की पोल

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा।

थामा में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना

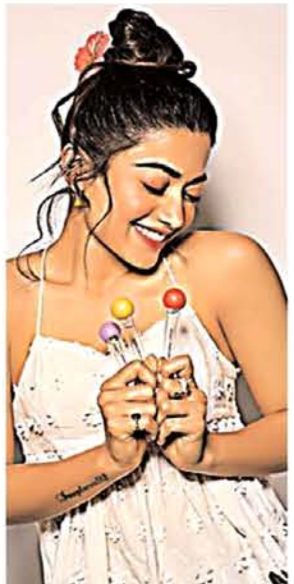

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म थामा की सफलता का लुत्फ उठा रही है। इस फिल्म में उन्होंने वैंपायर का किरदार निभाया। बात करते हुए उन्होंने फिल्म में काम के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनके लिए यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि थामा का अनुभव उनके लिए रचनात्मक रूप से बहुत रोमांचक था। वैंपायर का किरदार उनके लिए पूरी तरह से नया है, क्योंकि अब तक उन्होंने अपने करियर में ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था। मुझे नहीं पता था कि वैंपायर या बेताल जैसे प्राणी का किरदार कैसे निभाया जाता है। यह भूमिका मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और जटिल थी। उन्होंने इस अनुभव को दिलचस्प करार देते हुए कहा, इस तरह के किरदारों के साथ काम मेरे लिए हमेशा नई चीजें सीखने जैसा होता है। सामान्य किरदार निभाना भी एक तरह का आनंद देता है, लेकिन जब कोई बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलता है, तो यह अनुभव एक अलग ही तरह का उत्साह देता है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इस किरदार में खुद को बदलने की पूरी प्रक्रिया बेहद आकर्षक लगी। जब कोई कलाकार किसी सामान्य किरदार में काम करता है, तो उसका आनंद अलग होता है, लेकिन किसी अलग प्राणी का किरदार निभाना उसे एक नए तरह का उत्साह और खुशी देता है। रश्मिका ने अपने प्रोड्यूसर अमर कौशिक और निर्देशक आदित्य सरपोतदार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, इस नए और चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में उनका मार्गदर्शन और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण रहा। रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए बिल्कुल जीरो से शुरुआत की।

टीचर बनना चाहती थी मलायका

आज हम आपको बॉलीवुड की बहुत ही टैलेंटेड और खूबसूरत अदाकारा से मिलवा रहे हैं. बॉलीवुड के पॉपुलर आइटम सॉन्ग्स से तहलका मचाने वाली इस हसीना की दीवानगी आज भी उतनी ही है जितनी सालों पहले हुआ करती थी. जी ये हसीन अदाकारा कोई और नहीं, बल्कि शाहरुख खान के साथ 'छैंया-छैंया' गाने से लोगों का दिल जीतने वाली मलाइका अरोड़ा हैं, जिनकी अदाओं पर आज भी लोग जान छिड़कते हैं. आज मलाइका किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. अपने बेहतरीन डांस से वो सबको अपना दीवाना बना लेती हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है. मुंबई में जन्मीं मलाइका अरोड़ा की मां जॉयस पॉलीकार्प मलयाली फैमिली से आती हैं और पिता पंजाबी हिंदू परिवार से थे. एक्ट्रेस को अपने शुरूआती दिनों में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था. एक बार एक्ट्रेस ने खुद बताया था कि वह कभी इतने छोटे घर में रहती थीं कि उसकी तुलना माचिस की डिब्बी से कर सकते हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि बचपन में बहुत कुछ झेलना पड़ा. हालांकि, आज एक्ट्रेस के पास हर तरह की सुविधाएं हैं. करियर की बात करें तो मलाइका कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, वो हमेशा से एक टीचर बनना चाहती थीं. लेकिन डांस ने उनका जीवन बदल दिया और वो इंडस्ट्री की सबसे मशहूर आइटम गर्ल बन गई.

तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली की बात

हाल ही में तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली के बारे में कई बातें बताई हैं। उनके मुताबिक फिल्म में काम करने के बाद उनमें कई बदलाव आए हैं। तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं, लेकिन उनके डांस नंबर आज भी दर्शकों को दीवाना बनाते हैं। उन्होंने दो दशक पहले हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अभिनय में कदम रखा था, लेकिन उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने प्रभास के साथ बाहुबली- द बिगिनिंग में काम किया। इसके बाद, उन्होंने बाहुबली 2- द कन्क्लूजन से पर्दे पर वापसी की और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

तमन्ना भाटिया में आया बदलाव

फिल्मफेयर के साथ बातचीत में, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे बाहुबली फ्रैंचाइजी ने उन्हें बदल दिया। उन्होंने कहा बाहुबली एक ऐसी फिल्म थी जिससे मैंने सबसे ज्यादा सीखा। हम एक हरे रंग की स्क्रीन के सामने शूटिंग कर रहे थे, इसलिए हमें बहुत सी चीजों की कल्पना करनी पड़ी। मैंने वीएफएक्स के बारे में सीखा। किसी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है यह भी सीखा। इसने मुझे प्रयोग करने का और भी आत्मविश्वास दिया। उसके बाद से, मैंने लोगों की राय को गंभीरता से लेना बंद कर दिया। मैं अपने अंतर्मन पर ज्यादा भरोसा करने लगी।

4000 करोड़ी फिल्म रामायण के लिए फ्री में काम कर रहे विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की जबरदस्त एक्टिंग के फैंस दीवाने रहते हैं. हालांकि, उनका फिल्म करियर कुछ खास नहीं रहा है. विवेक ओबेरॉय फिल्मों में कम ही नजर आते हैं और रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे हैं. फिलहाल, उनकी पाइपलाइन में अभी कुछ फिल्में हैं, जिसमें डायरेक्टर नितेश तिवारी की 4000 करोड़ी मूवी रामायण है. इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय विभीषण का किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म रामायण में उनकी फीस को लेकर जानकारी सामने आई है. आइए जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्होंने कितनी फीस ली है. विवेक ओबेरॉय ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म रामायण के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा से कहा था कि वह फिल्म के लिए एक भी पैसा नहीं लेना चाहते हैं. वह अपनी पूरी फीस कैंसर से पीड़िता बच्चों की मदद के लिए दान करना चाहते हैं. विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैंने उनसे कहा कि मैं आपका सपोर्ट करना चाहता हूं कि क्योंकि ये काम मुझे पसंद है. मुझे लगता है कि ये इंडियन सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर ले जाएगा. हॉलीवुड महाकाव्यों के लिए भारत की तरफ रामायण जवाब होगा. ये उस कंपनी से जुड़ी है, जिसने 7-8 ऑस्कर जीते हैं और भी शानदार काम किए हैं. वास्तव में रामायण से बड़ा और बेहतर कुछ और नहीं हो सकता है. इसे ग्लोबल फील्ड में ले जाना काफी एक्साइटिंग है.

फिल्म रामायण की स्टारकास्ट

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, विवेक ओबेरॉय, रवि दुबे, सनी देओल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, काजल अग्रवाल, इंदिरा कृष्णन, कुणाल कपूर, शीबा चड्ढा जैसे तमाम सितारे नजर आएंगे. फिल्म भगवान राम का किरदार रणबीर कपूर, माता सीता किरदार साई पल्लवी और रावण का किरदार यश निभाएंगे.

श्री जी गौसदन में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। श्री जी गौसदन सेक्टर-94 में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि (केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय गौ रक्षा प्रमुख) दिनेश उपाध्याय, यजमान गौरव वार्ष्णेय, नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, नोएडा की पूर्व विधायक विमल बाथम, जिला अध्यक्ष महेश चौहान उपस्थित रहे।

उत्सव में ब्रह्म स्वरूप कला निकेतन के द्वारा लव-कुश कांड नाटिका का सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद भंडारे का वितरण किया गया।

इस आयोजन में शहर के सभी गणमान्य और श्रीजी गौसदन की समस्त कार्यकारणी एवं गौ भक्त उपस्थित रहे।

सीतापुर में जगन बाबू की प्रतिमा हटाए जाने पर सपा ने जताया रोष

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर व्यापार सभा के द्वारा सीतापुर में जगन बाबू की प्रतिमा हटाए जाने पर सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन विरोध जताया। सपाईयों ने इस संबंध में ज्ञापन सौंपकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

ज्ञापन में कहा गया कि बड़ा चौराहा विसवा पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व सांसद जगन बाबू की प्रतिमा स्थापित थी जिसे रात में हटा दिया गया इससे स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश है।

प्रदर्शन में शामिल सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि प्रतिमा को यथा स्थान पर स्थापित नहीं किया गया तो पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी।

कार्यक्रम में महानगर महासचिव विकास यादव, रामवीर यादव, महकार तंवर, अनुराग यादव, लोकेश यादव, सुमित अंबावत, कवित गुर्जर, शिवकुमार यादव, अजीत यादव, सतबीर यादव, शेखर, जाहिद सैफी, पवन शर्मा, बिजेंद्र यादव, रोहित, मोहन कुमार, उमेश सिंह, गुड्डू, पिंटू यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डीएम ने एसआईआर को लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में जनपद के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एन.आई.सी. सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यप्रणाली एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (BLA) अनिवार्य रूप से नियुक्त करें, ताकि वे बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से सफल बना सकें। उन्होंने कहा कि बीएलए और बीएलओ के बीच समन्वय इस अभियान की सफलता की कुंजी है। दोनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र नाम सूची में न रहे।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने राजनीतिक दलों के

प्रतिनिधियों को बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2025 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग का कार्य किया जाएगा। 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे तथा उन्हें भरने में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। संबंधित नागरिक गणना प्रपत्रों को भरकर अपने बी.एल.ओ. को उपलब्ध कराएंगे।

5 से 8 दिसम्बर 2025 तक कंट्रोल टेबल की तैयारी का कार्य संपन्न होगा। 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। दावा एवं आपत्ति अवधि 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 जनवरी 2026 तक संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। इसके उपरांत 3 फरवरी 2026 को निर्वाचन नामावलियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग से अनुमति प्राप्त कर 7 फरवरी 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की जाएगी।

बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने पर बल दिया।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट नीरज लोहिया, समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, अनूप तिवारी, बहुजन समाज पार्टी जिला प्रभारी ओम प्रकाश सिंह, जिला महासचिव एडवोकेट राजकुमार गुर्जर, एडवोकेट मुकेश सेठी, एडवोकेट रामबल सिंह, सीपीआई(एम) प्रतिनिधि सदस्य अरुण प्रताप सिंह सहित उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार जेवर ओमप्रकाश पासवान, तहसीलदार दादरी प्रीति बालियान तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डैशबोर्ड रैंकिंग में विभाग करें सुधार : सीडीओ

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड, विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों, निर्माण कार्यों, सीएमआईएस पोर्टल, विकसित उत्तर प्रदेश व फैमिली आईडी की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विभागों की डैशबोर्ड रैंकिंग संतोषजनक नहीं है, वे तत्काल सुधार करें और अपनी सभी योजनाओं की प्रगति नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग सीधे शासन स्तर से की जाती है, अत: अधिकारी इसे गंभीरता से लें और केवल शुद्ध, त्रुटिरहित एवं सत्यापित आंकड़े ही अपलोड करें।

बैठक में ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, जिला पूर्ति विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों की

प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी निर्माण परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण की जाएं, ताकि विकास योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंच सके।

फैमिली आईडी योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि यह योजना प्रत्येक परिवार को एकीकृत पहचान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि डेटा प्रविष्टि, सत्यापन एवं आधार एकीकरण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए।

विकसित उत्तर प्रदेश पोर्टल की समीक्षा में मुख्य विकास अधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अपेक्षित संख्या में विभागों द्वारा सुझाव अपलोड नहीं करायें गए हैं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, उपयुक्त उद्योग अनिल कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, उप कृषि निर्देशक राजीव कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी कुमुद चौधरी, प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में 80 साल के बुजुर्ग की जमीन पर फर्जीवाड़े का 'खेला'

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में बेशकीमती जमीन को हथियाने के लिए नोएडा में सक्रिय भू-माफिया नये-नये हथकंडे अपना रहे हैं। नोएडा में सक्रिय भू-माफियाओं का एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। भू-माफियाओं ने नोएडा के सलारपुर में एक 80 साल के बुजुर्ग की बेशकीमत जमीन के दस्तावेज में फर्जीवाड़ा कर दो दर्जन लोगों के नाम बैनामा करा दिया। नोएडा के भू-माफियाओं ने पंजाब-दिल्ली, मेरठ और नोएडा में रहने वाले लोगों के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन का बैनामा करा दिया।

नोएडा के थाना सेक्टर-49 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के राजेन्द्र नगर में रहने वाले पवन जिंदल पुत्र स्व. कुंदल लाल जिंदल ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि दादरी तहसील के ग्राम सलारपुर में उनकी साझे में करीब 61 बीघा जमीन है। इसमें से करीब 14 बीघा जमीन उनके हिस्से की है। शेष भूमि के मालिक अशोक वाडिया व उनके परिवारजन थे। पवन जिंदल ने बताया कि उन्हें पता चला कि उक्त भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार करके सुरेश कुमार ने गोरखपुर के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से फर्जी पॉवर ऑफ अटर्नी तैयार करा ली। सुरेश कुमार गोयल ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मुटेशन कराया और उनकी जमीन पर फर्जी कब्जा दिखा दिया। पवन जिंदल ने नोएडा में दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि उनके नाम से किसी अन्य व्यक्ति को खड़ा करके गोरखपुर के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में एक फर्जी मुख्तयारनामा भी दायर किया गया है। इसके लिए बिना किसी विधिक अधिकारी के सुरेश कुमार गोयल ने साजिश करके एक इरारनामा भी दाखिल किया।

नोएडा में दर्ज कराई एफआईआर में 30 भूमाफियाओं के नाम शामिल हैं। इन भू-माफियाओं में सबसे बड़ा नाम चर्चित भू-माफिया जगमोहन गोयल का है। जगमोहन गोयल के विरूद्ध नोएडा में पहले से भी मामल दर्ज हैं। एफआईआर में पवन जिंदल ने बताया कि सुरेश कुमार गोयल, डॉ. जगमोहन गोयल, मदन लाल, नरेश कुमार, केवल कृष्ण व सुभाषचंद ने साजिश रचते हुए उनकी जमीन का बैनामा करा दिया। पवन जिंदल ने बताया कि भू-माफियाओं ने दो दर्जन लोगों के नाम से बैनामा करा दिया। पवन जिंदल ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि भू-माफिया जयभगवान, नरेश उर्फ सलीम व राहुल कसाना ने उनकी जमीन पर साजिश के तहत कब्जा करने का प्रयास किया है। इस मामले में थाना सेक्टर-49 में सुरेश कुमार गोयल, पंजाब के रहने वाले डॉ. जगमोहन गोयल, मदन लाल, नरेश कुमार, केवल कृष्ण और सौरभ मित्तल के अलावा सुभाष चंद, बिहारी लाल, रजत मदान, निशांत मदान, सतीश कुमार मदान, सुरेन्द्र कुमार मदान, मंजू बंसल, रंजन गुप्ता, लक्ष्मी देवी, अनिल वाडिया, संतोष कुमारी, मनोज चौहान, कृष्ण मित्तल, प्रदीप कुमार गुप्ता, जयभगवान, अनिल बब्बर, राजेश कुमार गुप्ता, श्रीमती सुमनलता, अलका गुप्ता, मोहम्मद कलीम, मुनेन्द्र कुमार चौहान, नरेश उर्फ सलीम तथा राहुल कसाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है।